श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 36 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 अगस्त 2025 शुक्रवार

आज का मौसम

31 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सीजेआई बोले-समयसीमा में खाली करुंगा बंगला

नई दिल्ली एजेंसी। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा है कि नवंबर में रिटायरमेंट से पहले

उपयुक्त घर मिलना मुश्किल है, लेकिन मैं नियमों के तहत तय समयसीमा में अपना सरकारी आवास खाली कर दूंगा। सीजेआई ने ये बात जस्टिस सुधांशु धूलिया के विदाई कार्यक्रम में कही है। जस्टिस गवई ने कहा कि धूलिया उन जजों में से एक होंगे जो रिटायरमेंट के बाद अपना सरकारी आवास तुरंत खाली कर देंगे। गौरतलब है कि चंद्रचूड़ ने सात दिन पहले दिल्ली का सरकारी आवास खाली किया है। इससे पहले उनके सरकारी बंगला खाली नहीं करने की खबरें आई थीं। इसे खाली कराने को लेकर कोर्ट प्रशासन ने नगरीय मामलों के मंत्रालय को पत्र भी लिखा था। वे 10 नवंबर 2024 को रिटायर हुए थे, लेकिन उन्होंने 265 दिनों के बाद सरकारी बंगला खाली किया।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी पर 5 करोड़ इनाम

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की गिरफ्तारी पर 5

करोड़ डॉलर यानी 418 करोड़ इनाम घोषित किया है। ट्रम्प प्रशासन ने आरोप लगाया है कि मदुरो दुनिया के सबसे बड़े नार्को-तस्करों में से एक हैं। वे ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानिल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने इनाम की घोषणा करते हुए कहा,राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में मदुरो न्याय से नहीं बच पाएंगे और उन्हें अपने अपराधों के लिए जवाब देना होगा। बॉन्डी ने कहा कि न्याय विभाग ने मदुरो से जुड़े 70 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त की है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं। दुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। तब ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। फिर बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया था।

भारत का नया मिशन : रूस व चीन से सहयोग की नई नीति, चीन जाएंगे पीएम

टैरिफ वॉर के बीच सरकार ने पकड़ी सधी डिप्लोमेसी की राह

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति के अजब रुख के बाद भारत ने तेजी से अपना नया मिशन शुरू करके अमेरिका को जबरदस्त झटके देने की शुरुआत कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन यात्रा पर जा रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के साथ फोन पर हुई पीएम मोदी की बातचीत- ऐसी तीन घटनाएं हैं जो अमेरिका को संकेत देने के लिये काफी है। यह ऐसे समय पर हुआ है जब ट्रंप ने भारत पर कड़े आर्थिक हमले किए हैं। ट्रंप के भारी टैरिफ के जवाब में भारत ने कूटनीतिक स्तर पर अपने कदम तेज किए हैं। इसे भारत की संतुलित रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। मोदी इस महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। गलवान विवाद के बाद यह उनकी पहली यात्रा है। वह जापान में भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और उसके बाद सीधे चीन के तियानजिन शहर जाएंगे तथा शंघाई सहयोग संगठन समिट में भाग लेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत को लेकर टैरिफ की घोषणा के बाद यूएस के साथ डिप्लोमेसी के सामने फिलहाल कई चुनौतियां हैं। भारत सरकार ने बयान जारी कर इन फैसलों को गैरवाजिब ठहराया है लेकिन भारत मानता रहा है कि दोनों देशों के संबंधों ने कई पड़ाव देखें हैं। सरकार उम्मीद जता रही है कि सामने आए संकट से भी रिश्ते पार पा जाएंगे। अस्थिर और अनिश्चित जियो पॉलिटिकल हालातों में ट्रंप के बयान ने संबंधों को ऐसे बिंदु पर छोड़ा है, जहां से भारत को बहुत सधी डिप्लोमेसी से काम लेना होगा।

30 हजार करोड़ की एलपीजी सब्सिडी

केंद्रीय कैबिनेट आज एलपीजी सब्सिडी को लेकर बड़ा फैसला ले सकती है। सरकारी सूत्रों की मानें तो कैबिनेट एलपीजी कीमतों को स्थिर रखने में मदद करने के लिए तेल कंपनियों को करीब 30,हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी देगी। ताकि बाजार की कीमत से कम कीमत पर रसोई गैस बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों को होने वाले नुकसान की भरपाई हो तथा उपभोक्ता के लिये दाम न बढें। यह राहत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन जैसी कंपनियों मिलेगी। कंपनियां ग?लोबल उतार-चढ़ाव के बावजूद भी भारत में एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रखती हैं। दरअसल सरकार कच?चे तेल का असर घरेलू मार्केट में नहीं होने देना चाहती।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार अमिताभ सिंह का मत है कि ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अब काफी बदलाव आ गया है। भारत और ट्रंप के संबंध अतीत में अच्छे रहे हैं, लेकिन अब भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद दुनिया में हमारे दोस्त कम हो गए हैं। जिस तरह की कूटनीति या टैरिफ पॉलिसी ट्रंप कर रहे हैं। उसमें जो देश जितना झुकेगा, उतना घाटे में रहेगा। चीनी मामलों के जानकार कल्पित ए मणकिक्कर का कहना है कि चीन के साथ संबंध सामान्य करना वक्त की जरूरत है। टैरिफ और व्यापार के संदर्भ में ये अहम है कि हम अपने विकल्प खुले रखें और लचीले बने रहें।

अंतरराष्ट्रीय टैरिफ की दरें लंबी वार्ताओं का परिणाम होती हैं, लेकिन एक दिन में जिस तरह से इसे उल्टा किया गया है, वो किसी के हित में नहीं। अब जरूरी है कि भारत अपनी टेक्टिकल एकोमोडेशन की इस नीति पर चलता रहे। चीन के साथ भारत फिलहाल इसी नीति पर चल रहा है, दिक्कत भरे मुद्दों के बावजूद दूसरे क्षेत्रों में सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमति बनी है। पीएम मोदी का इस महीने के आखिर में चीन जाने का कार्यक्रम है। वहीं मॉस्को दौरे पर गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल ने कहा है कि राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तारीख भी करीब फाइनल हो गई हैं।

ट्रंप ने भारत संग ट्रेड डील पर बातचीत से किया इंकार

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत से ट्रेड डील पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। ट्रम्प ने कहा कि जब तक टैरिफ विवाद का हल नहीं निकल जाता, बातचीत शुरू नहीं होगी। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भारत से ट्रेड डील पर बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल इसी महीने भारत आने वाला है। गौरतलब है कि ट्रम्प भारत

पर अब तक 50फीसद टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि रूसी तेल की खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। रूस इस पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में कर रहा है।हालांकि विदेश विभाग ने अपने बयान में भारत को एक रणनीतिक साझेदार बताया व कहा कि अमेरिका भारत के साथ स्पष्ट और खुली बातचीत कर रहा है, भले ही टैरिफ विवाद के चलते दोनों देशों के संबंधों में तनाव बना हुआ है।

तामोट में उद्योगपतियों के साथ निवेश संवाद

सीएम मोहन यादव ने बाढ़ पीड़ितों को सिंगल क्लिक से भेजी राहत

भोपाल दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हाल में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावितों को आज सिंगल क्लिक द्वारा राहत राशि का वितरण किया तथा इस दौरान गुना, शिवपुरी, दमोह और रायसेन के प्रभावित व्यक्तियों से वर्चुअली बातचीत की। इसके बाद सीएम यादव औद्योगिक विकास को धरातल पर उतारने के प्रयासों के क्रम में रायसेन जिले के तामोट औद्योगिक क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। जहां वे निवेश संवाद, इकाइयों के भूमिपूजन, लोकार्पण और आशय पत्र वितरण करेंगे। वे यहां संचालित सागर मैन्युफैक्चरर की इकाई का मुआयना करेंगे तथा रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री उद्योगपतियों से संवाद करके प्रदेश में बन रहे निवेश अनुकूल वातावरण से अवगत कराएंगे।

पार्किंग विवाद में अभिनेत्री हुमा के भाई की हत्या

नई दिल्ली। बीती रात निजामुद्दीन इलाके के जंगपुरा भगोल लेन में बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी के चचेरे भाई की हत्या कर दी गई।

पुलिस ने बताया कि हुमा के भाई आसिफ कुरैशी का अपने पड़ोस के दो लोगों से मेन गेट के सामने स्कूटर पार्क करने पर झगड़ा हुआ। इस दौरान आरोपियों ने आसिफ पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आसिफ की पत्नी सायनाज कुरैशी ने कहा कि मामूली बात पर आरोपियों ने बेरहमी से हमला किया। दोनों में पहले भी पार्किंग को लेकर झगड़ा हो चुका था। बीती रात भी जब आसिफ काम से लौटे, तो उन्होंने पड़ोसी का टू-व्हीलर घर के मेन गेट के सामने खड़ा देखा। उन्होंने उसे हटाने को कहा। हालांकि, वाहन हटाने के बजाय पड़ोसी गाली-गलौज करने लगे और फिर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

मलबे से निकलेंगे 'नुकसान' के आंकड़े

धराली त्रासदी: रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए सेना के हेलीकॉप्टर उतरे

देहरादून एजेंसी

उत्तरकाशी के धराली गांव में हुए हादसे का आज चौथा दिन है मगर अभी तक मृतकों व घायलों का सही आंकडा सामने नहीं आ पाया है, सौ से ज्यादा लोग लापता हैं, माना जा रहा है कि वे मलबे में दबे हो सकते हैं। लेकिन मौसम व अन्य कठिनाईयों के चलते पूरी तरह से रेस्क्यू शुरू होने में 4 दिन और लग सकते हैं। इसरो ने भी तबाही की सेटेलाइट तस्वीर जारी की है।

अभी धराली गांव के 80 एकड़ में 20 से 50 फीट तक मलबा फैला है। इसे हटाने के लिए सिर्फ 3 जेसीबी मशीनें हैं। मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश के लिए हाईटेक थर्मल सेंसिंग उपकरण और बड़ी मशीन की भी दरकार है, लेकिन ये सामान 60 किमी दूर भटवाड़ी में अटका हुआ है।वहीं आज वायुसेना के हेलीकाप्टर चिनूक से रेस्क्यू किया गया। सीएम ने कहा है कि जल्द ही बिजली व्यवस्था भी बहाल होगी।

उत्तरकाशी से गंगोत्री तक एक ही सड़क है, जो धराली से गुजरती है। हर्षिल से धराली की तीन किमी की सड़क चार जगह पर 100 से 150 मीटर तक खत्म हो चुकी है। भटवाड़ी से हर्षिल तक तीन जगह लैंडस्लाइड और एक पुल टूटा है। ऐसे में धराली तक सड़क खुलने में 3-4 दिन और लग सकते हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तरकाशी जिले के धराली में 5 अगस्त को दोपहर दो बजे बादल फट गया था जिससे खीर गंगा नदी में बाढ़ आ गई। तेज रफ्तार पानी के साथ आए मलबे ने 34 सेकेंड में धराली गांव को जमींदोज कर दिया था। अब तक पांच मौतों की पुष्टि हो चुकी है। सत्तर का रेस्क्यू किया गया है।

मानसून से बेहाल राज्य

उप्र के लखनऊ समेत 10 शहरों में तेज बारिश है तो वाराणसी-बिजनौर-जौनपुर में स्कूल बंद हैं। 24 जिलों के 1245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। हिमाचल प्रदेश में 450 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। बिहार के मुंगेर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है।

मेट्रो एंकर

जलवायु परिवर्तन की मार, दुनिया के सामने खतरे का नया संकेत

मजबूरी में ऑस्ट्रेलिया शिफ्ट हो रहा एक पूरा 'देश'

फुनाफुति एजेंसी

जलवायु परिवर्तन कितना खतरनाक हो सकता है यह बड़ा संकेत एक छोटे देश के जरिये दुनिया के सामने है। आलम यह है कि कुछ हजोरों की आबादी वाला यह देश किसी दूसरे देश में शिफ्ट हो रहा है। दरअसल प्रशांत महासागर के द्वीप देश तुवालु की पूरी आबादी का इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में शिफ्ट होने का क्रम शुरू हुआ है। ये दुनिया के इतिहास की अपनी तरह की पहली घटना है, जब एक देश के लोग पूरे प्लान और वीजा के जरिए दूसरे देश में माइग्रेट कर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि तुवालू बढ़ते समुद्र स्तर के कारण जलमग्न होने के कगार पर है।

इस खतरे को सामने देखते हुए तुवालू ने आस्ट्रेलिया के साथ एक समझौता किया है, जो उसके नागरिकों को ऑस्ट्रेलिया में बसने का मौका मिलता है। कई रिसर्च से

पता चलता है कि 25 वर्षों के भीतर तुवालु की ज्यादातर जमीन भूमि जलमग्न हो जाएगी। तुवालु में नौ प्रवाल द्वीप और प्रवाल द्वीप हैं। यहां रहने वाले लोगों की आबादी करीब 11,000 है। इस देश की समुद्र तल से ऊंचाई मात्र 16 फीट है। यह इस देश को जलावायु परिवर्तन के कारण सबसे अधिक खतरे वाले देशों में से एक बनाता है। ऐसे में इस देश के लोगों को जीवित रहने के लिए पलायन करना पड़ रहा है। वैज्ञानिकों को अंदेशा है कि अगले 80 सालों में तुवालू पूरी तरह निर्जन हो जाएगा। द्वीपसमूह के नौ प्रवाल द्वीपों में से दो पहले ही जलमग्न हो चुके हैं।

नासा की समुद्र स्तर परिवर्तन टीम के अनुसार, 2023 में तुवालु में समुद्र का स्तर पिछले 30 वर्षों की तुलना में 15 सेमी ज्यादा था। इस दर से 2050 तक देश की अधिकांश भूमि और बुनियादी ढांचा जलमग्न हो जाएगा। 80 साल में यहां पूरी तरह पानी ही पानी होगा। इस खतरे को देखते हुए तुवालु और ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में फलेपिली संघ संधि पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत हर साल 280 तुवालुवासियों को ऑस्ट्रेलिया में स्थायी निवास मिलेगा। इसमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास और नौकरियों के पूर्ण अधिकार शामिल होंगे।

आवेदन के कई चरण

इसके लिए आवेदन करने के कुछ चरण पूरे हो चुके हैं। इस खतरे को देखते हुए तुवालु और ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में फलेपिली संघ संधि पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत हर साल 280 तुवालुवासियों को ऑस्ट्रेलिया में स्थायी निवास मिलेगा। इसमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास और नौकरियों के पूर्ण अधिकार शामिल होंगे। इसके लिए आवेदन करने के कुछ चरण पूरे हो चुके हैं।

राहुल ने फिर साधा चुनाव आयोग पर निशाना

बेंगलुरू/ नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा है और यहां एक रैली में कहा कि वोट की चोरी संविधान के साथ धोखा है

और हर हाल में संविधान को बचाना है। राहुल ने वोट अधिकारी रैली में कहा कि देश की संस्थाओं को खत्म किया जा रहा है। संविधान में गांधी, नेहरू और पटेल की आवाज है और वक्त बदलेगा तो सजा जरूर मिलेगी। उधर आयोग पर लगातार वोट चोरी का आरोप लगाए जाने के बाद सियासत भी गरम है। आयोग उनसे शपथ पत्र मांगचुका है। अब आयोग सूत्रों का कहना है कि अगर राहुल गांधी अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं और मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

एक मिमी भी बरसात नहीं : मानसून ने मुंह मोड़ा, राहत के दौर के बीच गर्मी की आफत

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

इस बार अगस्त का एक सप्ताह बीत चुका है और आसमान न सिर्फ चमकदार बल्कि मौसम भी पसीने छुटा रहा है क्योंकि अच्छी खासी धूप चटक रही है। खास बात यह कि करीब ढाई दशक में चौथी बार यह नौबत आई कि अगस्त के पहले हफ्ते में एक मिलीमीटर बारिश भी नहीं हुई।

मौसम के जानकारों का मानना है कि वर्ष 2000, 2009 में और 2018 में भी अगस्त का पहला हफ्ता बिन बारिश के बीत चुका है। जबकि पिछले साल पहले हफ्ते में मानसून इस कदर मेहरबान था कि शहर में 10 इंच से ज्यादा बारिश हो गई थी। 2012 में भी अगस्त के पहले हफ्ते में 10 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। मगर इस साल अगस्त में मानसून के मुंह मोडने से दिन में पारा 33 डिग्री तक पहुंच रहा है। यही आलम रहा तो इसमें एकाध डिग्री का और इजाफा होगा। यह सामान्य से 4.2 डिग्री ज्यादा रहा। तापमान बढ़ने के कारण तपिश और उमस भी बढ़ गई है। इससे पहले 22 जुलाई को दिन का तापमान 33 डिग्री के करीब रहा था। गुरूवार को भी तीखी धूप निकलने से पारे की चाल भी तेज रही। दोपहर में ही पारा 32 को छूने लगा। रात का तापमान 23 डिग्री के आसपास दर्ज हो रहा है।

बारिश थमते ही मरीज बढे

बहरहाल बारिश के थमते ही राजधानी में लोगों के बीमार होने का सिलसिला भी बढा है। जुकाम, एलर्जी, बुखार के अलावा डेंगू और चिकनगुनिया के केस भी बढ़ने लगे हैं। बताते हैं कि शहर में अब तक 54 लोग डेंगू और 53 लोग चिकनगुनिया की चपेट में आ चुके हैं। जबकि मलेरिया विभाग का दावा है कि उनकी 44 टीमें फील्ड पर लार्वा सर्वे का काम कर रही है।

कहीं लोगों को बिजली अमले से समस्या, कहीं अमला लोगों से परेशान

सड़कों एवं मकानों पर लटक रहे बिजली के तार, खतरा बरकरार

भोपाल दोपहर मेट्रो

बारिश के मौसम में जगह जगह लटक रहे बिजली के तार खतरे का अंदेशा पैदा कर रहे हैं। राजधानी की अनेक सघन बस्तियों में यह आशंका ज्यादा शिद्दत से महसूस की जा रही है। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मालीखेड़ी की कॉलोनियों में बिजली विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। इलाके में कई स्थानों पर बिजली के भारी-भरकम तार और मीटर सड़कों पर लटकते हुए साफ नजर आ रहे हैं, जिससे आए दिन खतरा बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों में इस स्थिति को लेकर भारी आक्रोश है। इलाके के रहवासियों का कहना है कि कई बार विभाग को इस गंभीर समस्या की जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। खुले में लटकते हाई वोल्टेज तार और सड़क पर झूलते मीटर बच्चों, बुजुर्गों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। बरसात के मौसम में इस खतरे की आशंका और भी अधिक बढ़ गई है।

दूसरा पहलू : अनाधिकृत निर्माण भी

राजधानी समेत मप्र के कई शहरों में बिजली लाइन के पास बने मकान, दुकान भी समस्या हैं। इनमें कई अनाधिकृत निर्माण भी हैं। कुछ दिन पहले भोपाल में ही ऐसे सैंकड़ों निर्माण चिन्हित किये गये थे। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी एमपी ट्रांसको ने इन्हें हटाने की शुरुआत भी की थी। शारदा नगर, नारियल खेड़ा में एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के पास के निर्माण को तोड़ा गया था। जहां 132 केव्ही भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने के कारण दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

नागरिक लगातार मांग कर रहे हैं कि बिजली के झूलते तारों को जल्द से जल्द हटाया जाए। खतरनाक रूप से लगे मीटरों को सुरक्षित स्थान पर लगाया जाए तथा इलाके में विद्युत लाइन की जांच कर उचित व्यवस्था की जाए। लोगों को आशंका है कि समय रहते प्रशासन और बिजली विभाग ने उचित कदम नहीं उठाए, तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। नागरिकों ने भोपाल जिला प्रशासन और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि वे स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कार्रवाई करें, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

हालांकि भोपाल में बीते दिनों बिजली की चपेट में आने से कुछ दुर्घटना भी हुई हैं और जान भी गई हैं। दूसरी तरफ बिजली विभाग के कई तर्क हैं। कई मामलों में लोगों को भी लापरवाही के लिये जिम्मेदार माना जा रहा है। बिजली चोरी के प्रयास भी ऐसे खतरे पैदा कर रहे हैं। हालांकि बिजली अफसरों ने मैदानी अमले को बिजली की सभी संरचनाओं को सुरक्षित बनाने के निर्देश भी दिये हैं।

आदमपुर में कचरा निष्पादन के इंतजामों की कमी

खंती से उठ रही प्रदूषण की 'आग'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर की आदमपुर खंती में दो महीने पहले लगी आग को लेकर अब सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने सुप्रीम कोर्ट में 80 पेज की जो रिपोर्ट पेश की उसमें साफ है कि इसके कचरे से इलाके की हवा और पानी दोनों गंभीर रूप से प्रदूषित हो चुके हैं। हर दिन शहर से 850 टन कचरा निकलता है, लेकिन केवल 420 टन की ही पूरी प्रोसेसिंग हो पा रही है जबकि 125 टन के आसपास कचरा हर दिन बिना निपटान के जमा हो रहा है और यह एक नया कचरे का पहाड़ बना रहा है।

आलम यह है कि इसके चलते भूजल में आयरन की मात्रा तय सीमा से 100 गुना ज्यादा तक मापी गई है। यहां पानी न पीने लायक है, न खेती के काबिल कहा जा रहा है। जबकि इसी दूषित पानी से पैदा हो रही सब्जी, फल और दूध भोपाल के बाजार तक पहुंच रहे हैं। कहा गया है कि मीथेन गैस डिटेक्टर नहीं लगाए गए हैं। तापमान की निगरानी और रिकॉर्डिंग भी नहीं हो रही है। वहीं सीपीसीबी ने कहा है कि नगर निगम 125 टन अतिरिक्त कचरे की प्रोसेसिंग क्षमता विकसित करे। साइट पर रिफ्यूज ड्राइव्ड फ्यूल भंडारण रोककर सीधे प्रोसेसिंग यूनिट्स पहुंचाए। आग से बचाव के लिए उपाय करे।

प्लास्टिक से बिगड़ रहा पर्यावरण,नुकसान पहुंचा रहा आयरन

बताया जाता है कि आदमपुर खंती में करीब 800 टन कचरा रोज डाला जा रहा है। इसमें से 510 टन मिक्स वेस्ट, 290 टन गीला कचरा और लगभग 50 टन इनर्ट यानी मिट्टी व कांकड़ शामिल हैं। लेकिन प्रोसेसिंग क्षमता की भारी कमी है। इसमें सबसे ज्यादा प्लास्टिक 38.38 फीसद है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक अत्यधिक आयरन वाले पानी से सींची सब्जियां खाने से मानव शरीर में भी आयरन की अधिकता हो सकती है, जिससे लिवर और आंतों पर बुरा असर पड़ता है।

विश्व हैंडलूम दिवस पर आयोजन

कॉलेज में हैंडलूम एग्जीबिशन पारंपरिक कला को मिला सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विश्व हैंडलूम दिवस के अवसर पर संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में एक विशेष हैंडलूम एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य भारत की समृद्ध हस्तकरघा कला को प्रोत्साहित करना और युवा पीढ़ी को स्वदेशी वस्त्रों के प्रति जागरूक करना था।

इस एग्जीबिशन में छात्राओं और शिक्षकों ने पारंपरिक बुनाई तकनीकों और हाथ से बनी चीजों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। चंदेरी, महेश्वरी, इकत, खादी और बाग प्रिंट जैसे पारंपरिक वस्त्रों ने सभी का ध्यान खींचा। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि भारतीय हस्तकरघा हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजनों से छात्राओं में स्वदेशी उत्पादों के प्रति गर्व और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ती है।

यह कार्यक्रम सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं था, बल्कि भारतीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी था। कार्यक्रम का संयोजन भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. गीतांशी बुट्टन और डॉ. मुग्धा राजपूत ने किया।

नवयुवक सभा के पदाधिकारियों ने शपथ दिलाई

नवगठित छात्र परिषदों ने संभाला स्कूलों का कार्यभार

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

नवयुवक सभा द्वारा संचालित स्कूलों में छात्र परिषद का गठन किया गया है, जो अपने-अपने स्कूलों में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

ए.टी. शाहानी कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय विद्यालय में 12वीं कक्षा की भावना माली को अध्यक्ष चुना गया है, जबकि कनक माळवीय (11वीं) उपाध्यक्ष बनी हैं। इस परिषद में 11 मंत्रियों को शामिल किया गया है, जिनमें ज़रीन कुरैशी (9वीं) सह-सचिव, सुहानी अहीरवार (11वीं) खेल मंत्री और मंताशा बानो (12वीं) पुस्तकालय मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगी। इन सभी छात्राओं से उम्मीद है कि वे स्कूल के विकास और अनुशासन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

सिधु माध्यमिक विद्यालय: वैष्णवी डांगोलिया (8वीं-ब) को अध्यक्ष और कनक माली (8वीं-ए) को उपाध्यक्ष बनाया गया है। हेमराज लोधी (8वीं-ब) सचिव और अंजली रामचंदानी (8वीं-ए) सह-सचिव के पद पर हैं। इसके अलावा, पीयूष घोषी (7वीं-ए) को खेल मंत्री, कृतिका पोद्दार (8वीं-ब) को सांस्कृतिक मंत्री और प्रेम छुत्तानी (7वीं-ब) को स्वास्थ्य मंत्री के रूप में चुना गया है।

किशनचंद टी. शाहानी : छात्र परिषद का नेतृत्व प्रियांशु मेवाड़ा अध्यक्ष के रूप में करेंगे, जबकि अनुराग साहू उपाध्यक्ष की भूमिका में रहेंगे। अन्य प्रमुख पदों पर हर्ष राजपूत (सचिव), चन्द्रशेखर मालवीय (खेल मंत्री), और हर्षित चौधरी (अनुशासन मंत्री) को नियुक्त किया गया है।

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका को दिया सम्मान

बेटियों ने किया 'हर घर तिरंगा' का आह्वान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में, गुरुनानक मंडल द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत एक विशेष रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बेटियों ने देश की बहादुर महिला अधिकारियों, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, के मुखौटे पहनकर तिरंगा लहराया।

मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कि इस रैली का उद्देश्य हर घर तिरंगा अभियान को बढ़ावा देना और देश की वीर नारियों का सम्मान करना था। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। बेटियों ने घर-घर जाकर लोगों से 2 से 15 अगस्त तक अपने घरों पर गर्व से तिरंगा लगाने का आह्वान किया।

कुकरेजा ने ऑपरेशन सिंदूर में महिला अधिकारियों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी इस उपलब्धि ने हर देशवासी को गर्व महसूस कराया है और हमें अपनी सेना को सलाम करना चाहिए। रैली में शामिल बेटियों ने लोगों को तिरंगे भी भेंट किए और उनसे इस राष्ट्रीय पर्व को एकजुट होकर मनाने का आग्रह किया।

19वां सिंधी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव, 1 सितंबर से वर्कशॉप

हिरदाराम नगर। सिंधी मेला समिति इस साल अपने 19वें सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का आयोजन करने जा रही है। शनिवार को मानस भवन में हुए कुकिंग कॉम्पीटिशन के पुरस्कार वितरण समारोह में महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि यह 4 दिवसीय महोत्सव 26, 27, 28 और 29 सितंबर को लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में आयोजित किया जाएगा। इस गरबा महोत्सव के लिए 25 दिनों की वर्कशॉप भी आयोजित की जाएगी, जो 1 सितंबर से 25 सितंबर तक चलेगी। यह वर्कशॉप भोपाल के अलग-अलग 9 सेंटर्स पर होगी, जहाँ गरबा के इच्छुक लोग इसका प्रशिक्षण ले सकेंगे।

मेट्रो एंकर

आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय रोग निवारण शिविर

गलत व अधिक आहार के कारण होती है बीमारी: सिद्ध भाऊ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम योगा एवं नेचर क्योर हॉस्पिटल में 152वें दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया।, जिसमें सिद्धभाऊजी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया।

सिद्ध भाऊ जी ने कहा कि व्यक्ति गलत और अत्यधिक आहार के कारण बीमार होता है। उन्होंने स्वस्थ रहने के लिए सात्विक, अपक्व और सुपाच्य आहार लेने की सलाह दी। उन्होंने

बताया कि हमारे विचार स्वस्थ शरीर के लिए महत्वपूर्ण हैं और इन्हें निर्मल रखने के लिए हमें नकारात्मकता से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरों की निंदा और द्वेष से हमारा मन अशांत होता है, जिससे शरीर में बीमारियाँ पैदा होती हैं।

77 साधकों ने लिया भाग

शिविर में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, छत्तीसगढ़, बिहार समेत कई राज्यों से कुल 77 साधकों ने हिस्सा लिया। शिविर की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि इसमें डायबिटीज, हाइपरटेंशन, मोटापा, माइग्रेन जैसी कई बीमारियों का प्राकृतिक तरीकों से उपचार किया गया। अनुभव सत्र में, साधकों ने अपने अनुभव साझा किए। भोपाल की अर्चना को पैरों के दर्द में, वाराणसी की प्रेमलता को घुटने के दर्द और वजन कम करने में, और मुंबई के नीरव वासा को डायबिटीज में काफी आराम मिला। अगला 10 दिवसीय शिविर 13 से 22 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को नरसिंहगढ़ में लाड़ली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बहनों ने वृहद राखी भेंट की।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने जवाहर चौक स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर तिरंगा झंडा और खादी के वस्त्र खरीदकर डिजिटल भुगतान किया। इस दौरान प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष रविंद्र यति उपस्थित रहे।

उज्जैन सिंहस्थ 2028 को लेकर विभागीय तैयारियां तेज

घाटों को लेकर सरकार बरत रही एहतियात

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में जुटी मप्र सरकार कई मामलों में आने वाले पेंच के प्रति सतर्क भी है और यथासंभव एहतियात भी बरत रही है। दरअसल क्षिप्रा नदी के दोनों ओर बनाए जाने वाले 29 किमी लंबे घाट का काम शुरू कराने के बाद इसे तेजी से पूरा कराने की कवायद चल रही है। मगर सरकार को आशंका है कि घाट निर्माण निर्बाध रूप से चले।

लिहाजा इसे देखते हुए सरकार जल संसाधन विभाग के जरिये हाई कोर्ट में केविएट दायर करने की तैयारी कर रही है, ताकि निर्माण के विरोध में कोर्ट जाने वालों के आवेदन पर कोर्ट एकतरफा फैसला न दे। खबरों के मुताबिक जल संसाधन विभाग ने नमामि शिप्रे परियोजना क्रियान्वयन इकाई उज्जैन को पत्र लिखकर कहा है कि सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए शिप्रा नदी के दाएं और बाएं तट पर 29.215 किमी घाट का निर्माण किया जाना है। 778.91 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे घाट को लेकर 31 दिसम्बर 2024 पत्र लिखा गया था। बताया जाता है कि क्षिप्रा नदी के किनारे सरकार बिना किसी विवाद के निर्माण कार्य पूरा कराने के लिए हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में केविएट दायर करने जा रही है ताकि अगर कोई इसमें बाधा की स्थिति पैदा करना चाहे और कोर्ट जाए तो इसकी जानकारी परियोजना प्रशासक नमामि शिप्रे परियोजना क्रियान्वयन इकाई-2 जल संसाधन विभाग उज्जैन को मिले और विभाग तथा सरकार की ओर से इस पर जवाब दिया सके। ताकि कोर्ट सरकार का पक्ष सुनकर ही फैसला दे।

नए घाटों पर रामघाट जैसे रेड स्टोन

कान्ह और शिप्रा नदी पर बनाए जाने वाले घाटों पर पहले स्थानीय स्तर पर उपलब्ध स्टोन लगाकर घाट तैयार करने का निर्णय हुआ था, लेकिन बाद में यह तय किया है कि रामघाट के जैसे रेड स्टोन से घाट बनाए जाएंगे। इसलिए इसकी डीपीआर की शर्तों में बदलाव किया है। अन्य काम भी समय पर पूरे करने की तैयारी विभाग ने की है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रामघाट जैसे स्टोन का इस्तेमाल पूरे 29 किमी के घाट निर्माण में किया जाएगा। हालमें मुख्यमंत्री ने भी कहा है कि इस बार सिंहस्थ की तैयारी इतनी पुख्ता की जा रही है कि इन लंबे घाटों के चलते पांच करोड लोग एक दिन में स्नान कर सकेंगे।

स्टाम्प शुल्क वृद्धि जेब पर डाका: पटवारी

500 फीसदी तक की बढ़ोतरी पर कांग्रेस का तीखा विरोध मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने स्टांप शुल्क वृद्धि पर कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जनता की नहीं, केवल राजकोषीय घाटे की चिंता कर रहे हैं, वह भी आम नागरिकों की जेब काटकर। विधानसभा में पारित किए गए भारतीय स्टाम्प (म.प्र. संशोधन) और अन्य विधेयकों के जरिए सरकार ने साफ कर दिया है कि अब वह अपनी नाकामी और भ्रष्टाचार का बोझ सीधे जनता पर लादने जा रही है। पटवारी ने कहा जरूरी दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क में 100त्न से लेकर 500त्न तक की बढ़ोतरी कर दी गई है। शपथ पत्र, प्रॉपर्टी एग्रीमेंट, पावर ऑफ अटॉर्नी, लाइसेंस, रजिस्ट्रियों में सुधार जैसे तमाम बुनियादी कागजातों पर अब आम नागरिक को पहले से कई गुना ज्यादा कीमत चुकानी होगी। यह सरकार अब

जनता के लिए जरूरी दस्तावेजों को भी ÷लक्ज़री आइटम÷ बना रही है। अब किसी गरीब को किरायानामा या किसी किसान को बंटवारे का सहमति पत्र बनवाना भी भारी आर्थिक बोझ बन जाएगा, क्या यही सुशासन नीति है?÷पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अब उसकी माली हालत सुधारने के लिए जनता को निचोड़ा जा रहा है। साथ ही यह भी पूछा कि जब सरकार खुद हर महीने कर्ज ले रही है।

स्वदेशी उत्पादन की राह पर मध्यप्रदेश

MSME | MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD. | इन्वेस्ट मध्यप्रदेश उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

₹ 603 करोड़ से अधिक निवेश की औद्योगिक इकाइयों का
भूमिपूजन एवं लोकार्पण तथा आशय पत्र वितरण

₹ 208 करोड़ से अधिक के औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण कार्यों का
भूमिपूजन एवं लोकार्पण

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री — डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

उद्योगपतियों से संवाद

8 अगस्त, 2025
पूर्वाह्न 11:30 बजे
औद्योगिक क्षेत्र तामोट
जिला रायसेन
मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11076/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

आपदाएं कैसे रुकेंगी

इस मानसून के दौर में बार-बार बादल फटने और पहाडों के दरकने की खबरें सिहरा देती हैं। हालांकि पहाडों पर यह हर बरसात सीजन में होता आया है लेकिन इन हादसों की संख्या बढना बहुत चौंका रहा है और वह पुरानी नसीहतें याद आ रही हैं जो समय समय पर पर्यावरणविद व बुजुर्ग देते रहे हैं। दो दिन पहले ही उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से आई बाढ़ का दृश्य रोंगटे खडे कर देता है। पानी और मलबे का बहाव इतना तेज था कि बड़ी-बड़ी इमारतें पलक झपकते ही तिनकों की तरह बिखरती दिखी हैं। लोगों को अपनी जान बचाने का मौका ही नहीं मिल पाया। गांव का करीब आधा हिस्सा मलबे के नीचे दबा और दर्जनों लोग लापता हैं, जिनमें सैन्य कर्मी भी शामिल हैं। इस हादसे में जानमाल का कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन तो बचाव एवं राहत अभियान पूरा होने के बाद होगा, लेकिन इस भयावह तस्वीर ने फिर इस बात का अहसास कराया है कि हमने पुराने हादसों से कोई सबक नहीं लिया। करीब बारह वर्ष पहले केदारनाथ में आई बाढ़ की त्रासदी की याद भी ताजा हो रही है। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी। तब पहाड़ी प्रदेशों में नदियों के किनारे और संवेदनशील क्षेत्रों में मानव बसावट तथा अंधाधुंध निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठे थे, जो आज भी कायम हैं। बरसात के समय पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पिछले एक दशक में इस तरह के हादसों में तेजी आई है। खासकर उत्तराखंड और हिमाचल में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि इसका एक कारण इन दोनों राज्यों में क्षेत्रीय जलचक्र में हो रहा बदलाव है। बरसात में सामान्य से कम या ज्यादा बारिश होना तो आम है, लेकिन एक साथ तेज बारिश या बादल फटने का क्रम बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ी राज्यों में जलवायु परिवर्तन तेजी हो रहा है और जंगलों की कटाई तथा अवैज्ञानिक तरीके से बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य इसका प्रमुख कारण है। यह सही है कि पहाड़ी इलाकों में स्थानीय लोगों को सड़क, पक्के घर और अन्य सुविधाएं मुहैया कराना जरूरी है, लेकिन विकास के इस क्रम में पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखना भी बहुत आवश्यक है। पर्यावरण असंतुलन बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं को जन्म देता है। पहाड़ी राज्यों में पर्यटन राजस्व और लोगों की आजीविका का बड़ा साधन है। पिछले कुछ वर्षों से उत्तराखंड और हिमाचल में पर्यटन के नए-नए स्थल विकसित हो रहे हैं। इन स्थलों पर सड़कों और ढांचागत निर्माण पर बहुत ज्यादा जोर है। बाढ़ग्रस्त धराली भी इनमें से एक है। यह खीरगंगा नदी के किनारे बसा है और गंगोत्री धाम से करीब बीस किलोमीटर पहले पड़ता है तथा श्रद्धालुओं की यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। पर्यटन की वजह से यहां नदी के किनारे बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर दी गईं, जिनमें से कई बाढ़ में ध्वस्त हो गईं। ऐसे में सवाल है कि शासन-प्रशासन की ओर से प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में मानव बसावट के लिए ठोस नियम-कायदे क्यों नहीं लागू किए जाते? नदी-नालों के किनारे बसे गांवों को समय रहते दूसरी जगह स्थानांतरित क्यों नहीं किया जाता,अगर अब भी सरकार ने सख्ती नहीं बरती और विकास या अधोसंरचना के नाम पर पहाडों जंगलों को काटकर मैदान बनाने या बेतहाशा निर्माणों पर लगाम नहीं लगाई तो आपदाएं बार-बार आती रहेंगी।

क्या है कालसर्प दोष?

■ ज्योतिष आलोक श्रीवास्तव

वैदिक ज्योतिष में कालसर्प दोष को एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली योगमाना गया है। योग तब बनता है जब किसी व्यक्ति की कुंडली में सभीग्रह राहु और केतु के बीच में स्थित होते हैं। राहु और केतु छाया ग्रह हैं औरजब ये जीवन के मुख्य ग्रहों को अपने प्रभाव में ले लेते हैं, तब जातक केजीवन में कई प्रकार की बाधाएं उत्पन्न होती हैं। जब जन्म कुंडली में सभी ग्रह (सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि) राहु और केतु के बीच स्थित हों, और कोई भी ग्रह उनके बाहर न हो, तो यहकालसर्प दोष कहलाता है।

राहु को आगे और केतु को पीछे मानते हुए, यदि सभी ग्रह इस धुरी केभीतर आ जाएं तो दोष बनता है। कालसर्प दोष के 12 प्रमुख प्रकार :

अनंत कालसर्प दोष – राहु लग्न में और केतु सप्तम में। जीवनसाथी से मतभेदऔर आत्मविश्वास की कमी।

कुलिक कालसर्प दोष – राहु द्वितीय भाव में। वाणी से समस्या, धन हानि।

वासुकी कालसर्प दोष – राहु तृतीय में। भाइयों से विवाद, साहस में कमी।

शंखपाल कालसर्प दोष – राहु चतुर्थ में। माता-पिता से दूरी, संपत्ति विवाद।

पद्म कालसर्प दोष – राहु पंचम में। संतान संबंधी चिंता, मानसिक तनाव।

महापद्म कालसर्प दोष – राहु षष्ठ भाव में। शत्रु एवं रोगों से परेशानी।

तक्षक कालसर्प दोष – राहु सप्तम में। वैवाहिक जीवन में बाधाएं।

कर्कोटक कालसर्प दोष – राहु अष्टम में। दुर्घटना, रहस्य, आकस्मिक संकट।

शंखचूड़ कालसर्प दोष – राहु नवम में। भाग्य में बाधा, गुरु से मतभेद।

घातक कालसर्प दोष - राहु दशम में। करियर में देरी, नौकरी में बाधा।

विशाक्चप कालसर्प दोष – राहु एकादश में। मित्रों से धोखा, लाभ मेंरुकावट।

शेषनाग कालसर्प दोष – राहु द्वादश में। विदेश यात्रा में रुकावट, मानसिकअसंतुलन।

कालसर्प दोष के सामान्य प्रभाव: करियर और नौकरी में रुकावटें, विवाह में देरी या वैवाहिक जीवन में परेशानी, संतान सुख में बाधा, मानसिक तनाव और अवसाद, सामाजिक या पारिवारिक संघर्ष, आकस्मिक दुर्घटनाएँ या रोग, आर्थिक अस्थिरता और कर्ज,

क्या कालसर्प दोष पूर्ण रूप से अशुभ होता है?

सभी कालसर्प दोष नकारात्मक नहीं होते। यदि कुंडली में कुछ मजबूत योग जैसे राजयोग, गजकेसरी योग,या शुभ ग्रहों की दृष्टि हो, तो यह दोषकमजोर पड़ सकता है। इसके अलावा, जातक यदि कर्मशील, धार्मिकऔर संयमी हो तो शांति मिल सकती है।

कालसर्प दोष की शांति के उपाय: त्र्यंबकेश्वर (नासिक), उज्जैन, महाकालेश्वर, काशी में विशेष पूजा की जाती है।

राहु-केतु ग्रह की शांति मंत्र -

राहु मंत्र:'ॐ रां राहवे नमः'
केतु मंत्र: 'ॐ कें केतवे नमः'

नाग पंचमी को नाग देवता की पूजा करना, श्रावण मास में शिवलिंग पर अभिषेक, प्रत्येक सोमवार को महामृत्युंजय जाप व आचार, संयम और सेवा से जीवन में सुधार तथा काले तिल, नारियल और तांबे के सर्प का दान

निष्कर्ष : कालसर्प दोष जीवन में निश्चित रूप से चुनौतियाँ लाता है, लेकिन यह कर्मसुधार, धार्मिक उपाय और सकारात्मक सोच के द्वारा नियंत्रित किया जासकता है। यह दोष हमारे पूर्वजों के कर्म और हमारे अपने जीवन के उद्देश्योंसे जुड़ा होता है। अतः डरने के बजाय समझदारी से उपाय करना उचित है।

बीमार भविष्य के कारखाने न बनें सरकारी स्कूल

■ विश्वनाथ सचदेव

देश में बहुत कुछ हो रहा है- कहीं पुल ढह रहे हैं, कहीं सड़कें नदियां बनी हुई हैं, कहीं विमान- दुर्घटनाएं हो रही हैं, देश का उपराष्ट्रपति इस्तीफा दे रहा है, संसद में और सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकारी एजेंसियां छापेमारी में लगी हैं। अरबों-खरबों के घोटाले की बातें हो रही हैं। मतदाता सूचियों को खंगाला जा रहा है। लाखों नाम जुड़ रहे हैं, लाखों काटे जा रहे हैं। नेतागण अपनी-अपनी पार्टी के गुणगान में लगे हैं, कार्यकर्ता समझ नहीं पा रहे किस नेता की बात सच मानें और किसकी झूठ। कहीं भ्रष्टाचार की बात हो रही है, कहीं चुनाव की... इस सारे शोर-शराबे में हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल की छत ढह जाने से सात बच्चों की जान चली गय। जो छत गिरी, दो साल पहले ही लगभग तीन लाख रुपये उसकी मरम्मत पर खर्च होने का दावा किया गया था ! शिक्षा मंत्री कह रहे हैं 'मामले की उच्च स्तरीय जांच' करायेंगे। हकीकत यह है कि देश में सरकारी स्कूल और उनमें दी जा रही शिक्षा दोनों जर्जर अवस्था में हैं। होती है कभी-कभी बात इस जर्जर अवस्था के बारे में, पर अक्सर 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा ही सुनाई देती है, उसके परिणाम कहीं सरकारी फाइलों में दबे पड़े रहते हैं। इस झालावाड़-कांड की जांच के साथ भी ऐसा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

सात बच्चों के मरने और चौबीस बच्चों के घायल होने वाले इस हादसे ने देश में सरकारी शिक्षा की स्थिति पर कुछ सवाल जरूर उठायें हैं, पर उनके उत्तर खोजने की बात कोई नहीं कर रहा। कोई नहीं पूछ रहा कि उन मासूमों का क्या कसूर था, जो खिलने से पहले ही कुम्हला गये? उनके अभिभावकों के सपनों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में कोई बात नहीं हो रही।संसद में 'आपरेशन सिंदूर' के बारे में चर्चा होती रही है। महत्वपूर्ण है यह विषय इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन देश के स्कूलों और शिक्षा की स्थिति की गंभीरता और महत्व को क्यों नहीं समझा जा रहा? झालावाड़ का स्कूल अकेला नहीं है जिसकी इमारत जर्जर अवस्था में है। राजस्थान के ही नहीं देशभर के सरकारी स्कूलों की इमारतें और शिक्षा की स्थिति संसद में काम रोको प्रस्ताव की मांग कर रही है, पर कौन सुन रहा है इस मांग को?

देश में नई शिक्षा नीति को लागू किया जा रहा है उसे लेकर विवाद भी उठ रहे हैं। पर यह दुर्भाग्य ही है कि प्राथमिक शिक्षा की स्थिति हमारी वरीयता में कहीं नहीं दिखाई दे रही। शिक्षा का माध्यम क्या हो, कितनी भाषाएं देश के बच्चे सीख रहे हैं जैसे कुछ सवाल यदि कहीं उठ भी रहे हैं तो वह भी अपने-अपने राजनीतिक हितों-स्वार्थों के खातिर ही। शिक्षा को लेकर जो बुनियादी चिंता दिखनी चाहिए, उसमें जो ईमानदारी झलकनी चाहिए, वह कहीं नहीं है।

सवाल किसी झालावाड़ के सरकारी स्कूल की छत गिरने का नहीं है, देश के हर हिस्से में ऐसे स्कूल दिख जाएंगे जहां बच्चे दीवारें ढहने या छत गिरने के खतरे को झेलते हुए अपना

भविष्य बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार आज देश में 74 हज़ार से अधिक स्कूल जर्जर अवस्था में हैं। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि देश में सरकारी स्कूल लगातार कम हो रहे हैं। अकेले मध्य प्रदेश में पिछले एक दशक में लगभग नब्बे हज़ार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। सहज ही विश्वास नहीं होता इस आंकड़े पर, पर शिक्षा को लेकर जिस तरह की अराजकता हमारे देश में पसरी है उसे देखते हुए आश्चर्य भी होना चाहिए और चिंता भी। चिंता इस बात की भी होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों के बंद होने के साथ-साथ निजी स्कूलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ अरसे में 25 हज़ार से अधिक सरकारी स्कूल बंद हुए हैं ! इसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर और स्तरीय शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों से निकाल कर अच्छे निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए भेज रहे हैं। सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति आयी क्यों? इस सवाल का जवाब भी कोई मुश्किल नहीं है- 'अच्छी शिक्षा' के नाम पर कुकुरमुत्तों की तरह उग रहे निजी स्कूलों को जिस तरह बढ़ावा दिया जा रहा है उसने शिक्षा को एक व्यवसाय बनाकर रख दिया है। 'इंटरनेशनल स्कूल' कहलाते हैं ये संस्थान ! अंग्रेजी माध्यम वाले यह स्कूल पैसे वालों के लिए है और उनके लिए भी जो अपनी जीवन शैली को बेहतर दिखाने की होड़ में लगे हैं। आज एक ओर हमारे देश में झालावाड़ जैसे जर्जर सरकारी स्कूल हैं और दूसरी ओर लाखों की फीस वाले वे निजी स्कूल जहां 'बड़े लोगों' के बच्चे पढ़ते हैं। इन एयर कंडीशन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में भी स्वयं को 'कुछ अलग' समझने की भावना पनपती है। यह प्रवृत्ति समाज को बांटने वाली है। चिंता होनी चाहिए इस स्थिति और प्रवृत्ति पर। पर हो नहीं रही। शिक्षा का यह बंटवारा उनकी चिंता का विषय नहीं बन पा रहा जो स्वयं को आम आदमी का प्रतिनिधि मानते-कहते हैं।

सच बात तो यह है कि शिक्षा को, विशेषकर प्राथमिक शिक्षा को, हमारी प्राथमिकता सूची में कहीं नीचे स्थान मिला हुआ है। देश में शिक्षा के स्तर को लेकर चिंता करने वालों में कुछ संस्थान हैं जो लगातार आगाह करते रहे हैं, पर उन पर इसका कोई असर नहीं पड़ता दिख रहा जिन्हें स्थिति की भयावहता को समझना चाहिए। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में साक्षरता की दर लगभग 74 प्रतिशत थी। पिछले दस-पंद्रह सालों में यह प्रतिशत निश्चित रूप से बढ़ा होगा। पर सवाल यह है कि यह साक्षरता है कैसी? इस संदर्भ में कार्यरत संस्था 'असर' की सन् 2024 की रिपोर्ट के अनुसार कक्षा तीन में पढ़ने वाले 23.4 प्रतिशत छात्र कक्षा दो का पाठ नहीं पढ़ पा रहे। इस स्थिति को क्या नाम दिया जाए? शिक्षा का उद्देश्य हर नागरिक को इस योग्य बनाना है कि वह ढंग की जिंदगी जी सके। इस 'ढंग' की अलग-अलग परिभाषा हो सकती है, पर इतना तय है कि हमारे हुक्मरान कहते भले ही कुछ भी रहे हों, पर देश के नागरिक को एक सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अवसर देने के प्रति ईमानदार नहीं हैं। किसी झालावाड़ के स्कूल की छत गिरने का अर्थ एक इमारत का ढहना मात्र नहीं है, यह उस आपराधिक उपेक्षा का एक प्रमाण है जो हमारी सरकारें शिक्षा के प्रति बरत रही हैं। कहीं न कहीं यह सवाल तो उठना ही चाहिए कि किसी भी राजनीतिक दल के चुनावी घोषणा-पत्र में शिक्षा को उचित और पर्याप्त महत्व क्यों नहीं दिया जाता? किसी 'असर' जैसी संस्था की रिपोर्ट चुनावी चर्चा का विषय क्यों नहीं बनती? झालावाड़ के स्कूल जैसी स्थिति नहीं बने इसकी गारंटी देने की बात कोई नेता क्यों नहीं देता?

एक बात और। बताया जा रहा है कि देश के हजारों स्कूल आज झालावाड़ जैसे स्कूल की तरह जर्जर अवस्था में हैं। किसी भी राजनीतिक दल ने इस बात पर चिंता व्यक्त क्यों नहीं की? सुना है, सात बच्चों की मौत की घटना के लिए स्कूल के चार अध्यापकों को निलंबित कर दिया गया है? यह कहां का न्याय है? निलंबित तो किसी सरपंच या उच्च अधिकारी को होना चाहिए अथवा उसे जिसे हमने देश चलाने की जिम्मेदारी सौंपी है। दो साल पहले ही उस स्कूल की छत की मरम्मत हुई थी, फिर छत ढही कैसे? यहां सवाल किसी स्कूल की छत ढहने का नहीं है, शिक्षा का सारा ढांचा ही जर्जर है। इस ढांचे की मरम्मत की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों की जगह निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की नीति को बदलना होगा, शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। कुछ अध्यापकों का निलंबन या मिड डे मील में मात्र चावल और नमक मिलने की शिकायत करने वाले किसी पत्रकार को 'अपराधी' बनाने से बात बनेगी नहीं। बात बुनियादी ईमानदारी की है। कब दिखेगी यह ईमानदारी?

(साभार: लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। यह उनके निजी विचार हैं)

रक्षाबंधन: नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

■ ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है।

आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए।

मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह

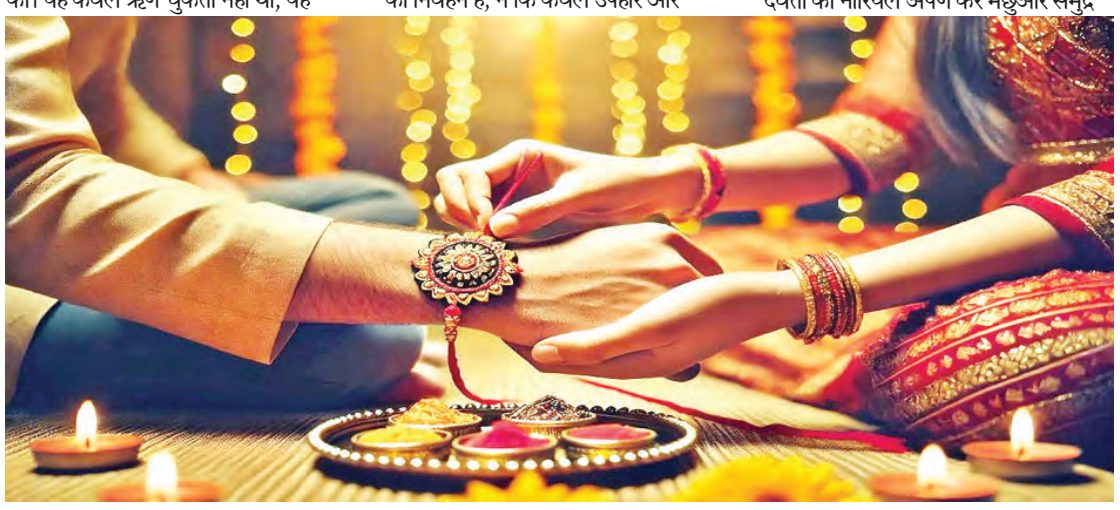

आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दर्शाती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है।

रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाज़ारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।

आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में 'अवनी अविट्टम' के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को 'बलेव' के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है - अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा।

आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

अन्धे पेट के बड़े गहरे होते हैं। उन्हें बड़ी दूर की सूझती है।
- प्रेमचन्द

निशाना

राह नहीं आसान !

मिल रहीं चुनौतियां।
राह नहीं आसान ।।
करनी विजय हासिल तो।
फूंको फिर से जान ।।
ठीक नहीं है सब कुछ।
हुआ उल्टा खेल ।।
जिसने नहीं निभाया।
कसना फिर नकेल ।।
हार और जीत का तो।
रहता बजता गाना ।।
ली है जिम्मेदारी तो।
पेश करो नज़राना ।।
मंथन का है विषय।
हुई कहां पर चूक ।।
धीरे धीरे रथ क्यों।
रहा आखिर रुक ।।

- कृष्णेन्द्र राय

सिरोंजः सारथी सिटी-2 कॉलोनी में किराए से रहती थी शिक्षिका, फैली सनसनी

संदिग्ध हालत में घर पर मिला टीचर का शव गले पर थे चोट के निशान, हत्या की आशंका

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर में कुरवाई रोड स्थित सारथी सिटी-2 कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाली 30 वर्षीय शासकीय शिक्षिका का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। कॉलोनी में रहने वाले भगवान सिंह धाकड़ के मकान में शिक्षिका मीशू राजपूत किराए से अकेली रहती थी। वे नटेरन विकासखंड के हाईस्कूल महू में पदस्थ थी। रोज़ाना अपनी स्कूटी से स्कूल जाती थी। उनके पति अमरदीप राजपूत कुरवाई विकासखंड के स्कूल में शासकीय शिक्षक हैं और वे वहीं पर रहते हैं। बीते दिवस जब मीशू स्कूल नहीं पहुंची तो स्टाफ के सदस्यों ने उन्हें मोबाइल पर कॉल किया। लगातार कोशिश के बाद भी जब उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया तो उन्होंने उनके पति को फोन कर जानकारी दी। पति ने सारथी सिटी में ही रहने वाले अपने रिश्तेदार को कॉल कर मीशू को घर पर जाकर देखने को कहा। जब महिला रिश्तेदार घर पहुंची तो वहां मीशू का शव पड़ा मिला। वह दौड़कर बाहर आईं और लोगों को इसकी जानकारी दी। सिरोंज पहुंचने के बाद पति अमरदीप ने तुरंत ही पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद शाम 6.30 बजे विदिशा से फलाइंग स्क्वाड की टीम एसडीओपी सोनू डाबर और टीआई पंकज गीते के साथ घटनास्थल पर पहुंची। कमरे में किचन के पास मीशू का शव पड़ा हुआ था उसके गले में कुछ निशान भी थे। पलंग पर उसका बेग, स्कार्फ भी रखा हुआ था और लंच बाक्स तैयार था। इसके अलावा कमरे में सब कुछ व्यवस्थित रखा हुआ था। पूछताछ में पति अमरदीप ने बताया कि मीशू गले में सोने की चेन और कान के टाप्स पहनती थी। जो गायब हैं।

घटना स्थल पर पड़ताल करती पुलिस व एकत्रित परिजन। इनसेटः मृतका मीशू

मायके गई थी मकान मालिक की बहू

मकान मालिक भगवानसिंह की बहू गुरूवार सुबह ही अपने मायके चली गईं थीं और उनका बेटा अपने काम से चला गया। जब वे दोनों चले गए तो मीशू ने ही गेट लगाया था और वह अकेली थी। गुरूवार को अमरदीप का मोबाइल आने पर पड़ोसी रिश्तेदार महिला घर पर पहुंची तो गेट खुला हुआ मिला।

मामला संदिग्ध है, पड़ताल जारी

सिरोंज एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि मृतका मीशू का मायका गुना में है। दो साल पहले ही उसका विवाह कुरवाई के अमरदीप से हुआ था। उनके दो भाई हैं और दोनों ही अन्य शहरों में नौकरी करते हैं। जानकारी लगने पर उनके रिश्तेदार भी सिरोंज आ गए थे। मामला संदिग्ध है, जांच चल रही हैं। एफएसएल टीम ने भी जांच की है।

बच्चों ने बनाई तिरंगे वाली राखियां

इटारसी। रक्षाबंधन के अवसर पर जीनियस प्लेनेट स्कूल में राखी की एक्टिविटी आयोजित की गई। इस एक्टिविटी को विशेष बनाने के लिए तिरंगा कलर को शामिल किया गया। स्कूल प्राचार्य मनीता सिद्दीकी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस आ रहा है,साथ ही राखी भी है। इन दोनों अवसर पर तिरंगा कॉन्सेप्ट पर एक्टिविटी आयोजित की गई। इस एक्टिविटी में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपने पूरे जोश के साथ सिरकत की । जिसमें राखियां बनाई गई, नारियल सजाएं, थाली सजाई, गिफ्ट बनाए, घर को सजाने के लिए सजावट के आइटम बनाए। साथ ही कक्षा 6 वीं से 12 वीं के चयनित विद्यार्थियों के द्वारा ड्राइंग भी बनवाई गई, जो राखी पर तिरंगा विषय पर आधारित रही। जिसमें विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक ड्रॉइंग पेंटिंग बनाते हुए अपनी कला का प्रदर्शन किया। एक्टिविटी को सफलतापूर्वक आयोजित करने में स्कूल शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा।

विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के निर्देश पर कार्य शुरू, नपा अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

इटारसी। वार्ड 30 स्थित सिंधी कॉलोनी में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे द्वारा किया गया। इस अवसर पर ए.ई. मीनाक्षी चौधरी, वार्ड 06 के पार्षद जिम्मी कैथवास, वार्ड 11 के पार्षद अमित विश्वास, वार्ड 25 के पार्षद कुंदन गौर, वार्ड 19 के पार्षद राहुल प्रधान तथा सब इंजीनियर मयंक अरोरा भी मौजूद रहे। सिंधी कॉलोनी की सड़क लंबे समय से जर्जर स्थिति में थी, जिससे धर्मशाला सहित क्षेत्रवासियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। पिछले महीने कॉलोनी के नागरिकों ने विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा से मुलाकात कर इस समस्या की जानकारी दी थी। जनहित को प्राथमिकता देते हुए डॉ. शर्मा ने नगर पालिका के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए, जिसके परिणामस्वरूप सड़क निर्माण कार्य तेजी से प्रारंभ किया गया। यह सड़क केवल सिंधी कॉलोनी के निवासियों के लिए ही नहीं, बल्कि मालवीयगंज, प्रतापपुरा तथा आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों के लिए भी एक मुख्य संपर्क मार्ग है। स्थानीय निवासियों ने सड़क निर्माण कार्य को लेकर संतोष जताया है और विधायक डॉ. शर्मा व नगरपालिका टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है।

विदिशा नगर पालिकाः 22 पार्षद अध्यक्ष के खिलाफ हुए बागी

रुद्र राजपूत। विदिशा

नपा परिषद में घमासान पिछले एक साल से लगातार जारी है। इसके 22 पार्षद बागी होकर अध्यक्ष का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा का अभी तक का कार्यकाल विवादों से भरा रहा है। परिषद की बैठक तक पिछले तीन सालों में व्यवस्थित ढंग से नहीं हो पाई है जिसका खामियाज शहर की जनता भुगत रही है। आम जनता के नपा में काम नहीं हो रहे। अगर शहर की बात करें तो सड़के उखड़ी पड़ी है। वार्डो में कचरा गाड़ी नहीं पहुंच रही । नपा में अधिकारी -कर्मचारी बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं कर रहे। साथ ही नपा अध्यक्ष ने जिन ठेकेदारों को काम दिया था, वह भी अब काम करने से इनकार कर रहे हैं। वार्ड 33 के पार्षद प्रतिनिधि राजू दांगी ने बताया कि उनके वार्ड में दो सड़को का भूमि पूजन हुआ था। जिसके बाद वर्क ऑडर भी हो गया । परन्तु ठेकेदार फोन तक अटेंड नहीं कर रहे हैं और न ही काम हो रहा हैं। ऐसे में जनता में रोष बढ़ रहा हैं। कहा जा रहा है कि 22 बागी पार्षद अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए आतुर हैं। अविश्वास के लिए बागी पार्षदों की संख्या 30 होना अनिवार्य है। वहीं नपा अध्यक्ष को अपनी सीट बचाने के लिए महज 10 पार्षदों का समर्थन चाहिए जो फिलहाल उनके पास हैं।

बारिश थमने से बढ़ने लगी गर्मी, दिन का तापमान 34 डिग्री के पार

प्रदेश में मानूसनी सीजन में अब तक 28.7 इंच गिरा पानी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में पिछले एक हफ्ते से बारिश की गतिविधियां थम गई हैं। अधिकांश जिलों में तेज पानी नहीं गिरा। इससे गर्मी का असर बढ़ गया है। 10 से ज्यादा जिलों में दिन का तापमान 34 डिग्री के पार पहुंच गया। ऐसा ही दौर आज भी जारी है। कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। प्रदेश में अब तक प्रदेश में 28.7 इंच बारिश हो चुकी है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि देश में एक ट्रफ की एक्टिविटी रही, जो प्रदेश से काफी दूर है। इस वजह से बारिश का दौर नहीं है। अगले 4 दिन तक तेज बारिश के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं। कहीं-कहीं बूंदाबांदी या रिमझिम बारिश जरूर हो सकती है। बारिश के मामले में इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। इंदौर संभाग के आठ में से पांच जिले ऐसे हैं, जहां 13 इंच से कम पानी गिरा है। सिर्फ अलीराजपुर और झाबुआ में ही 20 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। दूसरी ओर, ग्वालियर में सबसे ज्यादा 35 इंच बारिश हो चुकी है। यहां कुल बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। जबलपुर और भोपाल की तस्वीर भी बेहतर है। मौसम विभाग के अनुसार, अगस्त के दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा, जो आखिरी तक चलता रहेगा। बता दें कि जुलाई में प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ के हालात बने थे। खासकर पूर्वी हिस्से यानी- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में मानसून जमकर मेहरबान रहा। आखिरी दिनों में रायसेन में बेतवा ने विकराल रूप लिया। खेत-मंदिर और पुल डूब गए। वहीं, डैम ओवरफ्लो हो गए थे।

स्कूल वाहनों की जांच कर चालकों को दी जरूरी हिदायत, 10040 रूपए का चालान भी वसूला

सिरोंज। यातायात पुलिस ने स्कूली वेन और ऑटो रिक्शा की गहन जांच की। पुलिस की टीम दोपहर में लटेरी रोड पर पहुंची और यहां पर स्कूली वाहनों की जांच का क्रम शुरू कर दिया। यातायात प्रभारी रितेश वागेला ने सभी वाहनों के दस्तावेजों की जांच के साथ ही उनमें सुरक्षा उपकरण को भी देखा। इसके साथ ही उन्होंने वाहन चालकों को ड्रायविंग, रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस, बीमा, फिटनेस, परमिट और पीयूसी सहित अन्य दस्तावेजों को पूर्ण रखने तथा आपातकालिन खिड़की सहित वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात नहीं करने की हिदायत भी दी। इस दौरान यातायात पुलिस ने 11 वाहन चालकों से 10 हजार 40 रूपए का चालान भी वसूला।

हर घर तिरंगा के लिए किया जागरुक

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के लिए नगरवासियों सेअपने घरों और दुकानों पर तिरंगा झंडा लगाने की अपील नपा अध्यक्ष मनमोहन साहू ने की है। सामूहिक रूप से की गई अपील के अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष मनोज शर्मा ,पार्षद् गण के साथ ही अधिकारी कर्मचारी सहित आमजन उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर के विरोध में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

युवा कांग्रेस ने विद्युत मंडल द्वारा भारी भरकम बिल और स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में स्टेशन के पास से तहसील परिसर तक पैदल मार्च कर अनुभवागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उसके पश्चात सभी कार्यकर्ता नारेबाजी करते विद्युत मंडल पहुंचे और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। युवा कांग्रेस द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि मध्यप्रदेश शासन एवं बिजली वितरण कंपनियों द्वारा गंजबासौदा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में आम जनता पर जबरन स्मार्ट मीटर थोपे जा रहे हैं। इन मीटरों के कारण जनता को भारी आर्थिक और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि स्मार्ट मीटरों से अत्यधिक बिजली बिल आ रहे हैं।

बिना सूचना एवं सहमति के मीटर बदले जा रहे हैं, जिससे पारदर्शिता खत्म हो गई है। प्रीपेड सिस्टम में गरीबों को समय पर रीचार्ज न होने पर बिजली से वंचित होना पड़ रहा है। मीटर की रीडिंग व कटौती पूरी तरह से बिजली कंपनी के नियंत्रण में है, जिससे मनमानी की जा रही है। स्मार्ट मीटरों की विश्वसनीयता पर तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा भी सवाल उठाए जा चुके हैं। इसलिए स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए। जिन उपभोक्ताओं को मीटर से परेशानी है, उन्हें पुराने एनालॉग मीटर का विकल्प दिया जाए। बिलों की उच्च स्तरीय जांच हेतु स्वतंत्र समिति गठित की जाए। जबरन वसूली व रीचार्ज बाध्यता की प्रक्रिया को रोका जाए। ज्ञापन में सौदान यादव ,राजेश माहेश्वरी, पंकज एलिया ,अमित दुबे पट्टू ,बंटी गुर्जर, विकास शर्मा ,जगदीश व्यास ,सत्यकुमार शर्मा, बाबू पिंगली ,आकाश शर्मा,अमित राजावत,सत्यम बाजपेई,गोलू रघुवंशी,कपिल यादव,बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

इटारसी में मंडी की समस्या दूर करने के लिए हुई चाय पर चर्चा

जिम्मेदार शहरवासियों से उम्मीद... शहर के लिए आगे आकर हाथ बढ़ाएं

इटारसी। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने साथी पार्षदों और वरिष्ठ नेता विश्वनाथ सिंघल के साथ सब्जी मंडी की व्यवस्थाओं को लेकर चाय पर चर्चा की। इस अवसर पर पार्षद जिम्मी कैथवास, अमित विश्वास, कुंदन गौर, कैलाश रैकवार, लक्ष्मीनारायण चौहान आदि मौजूद रहे। सब्जी के चबूतरों के बावजूद सड़क पर मंडी लगना चिंता का विषय है। इटारसी जैसे शहर में, जहां यातायात व्यवस्था पहले से ही एक चुनौती है, वहां सड़क पर सब्जी की दुकानों से न सिर्फ यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है, और स्थानीय लोगों को भी परेशानी होती है।

सब्जी मंडी के कारण सड़कों पर गंदगी और कचरा जमा हो जाता है, जिससे न केवल शहर की सुंदरता बिगड़ती है, बल्कि स्वच्छता भी प्रभावित होती है। सब्जी विक्रेता सब्जी का कचरा रोड पर ही छोड़कर चले जाते हैं।

चर्चा के दौरान सब्जी विक्रेताओं से भी उम्मीद जताई कि वे सहयोग करें और सड़क पर सब्जी बेचने से बचें। स्थानीय लोगों को भी जागरूक करना चाहिए कि वे सड़क पर सब्जी खरीदने से बचें और सब्जी मंडी में ही खरीदारी करें। यदि ग्राहक सब्जी मंडी में जाकर ही खरीद करेगा तो सब्जी विक्रेता भी सड़क पर बैठने की जगह मंडी में निर्धारित स्थल पर ही बैठेंगे।

स्थानीय लोगों को परेशानी

स्थानीय लोगों को अपने घरों से निकलने और आने-जाने में परेशानी होती है। चिंता यह भी है कि कई पक्की दुकान वाले सब्जी वालों से पैसे लेकर अपनी दुकान के सामने ही उनको बिठा लेते हैं जिससे अव्यवस्था फैल जाती है। सब्जी मंडी में कई चबूतरे खाली हैं, लेकिन सब्जी वाले वहां नहीं जाते हैं। नपा को चाहिए कि वह सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित स्थान पर भेजने की व्यवस्था करें।

> परिषद के सदस्य शहर की व्यवस्थाओं के लिए चिंता करते हैं। हमारा भी नागरिकों से अनुरोध है कि उपलब्ध संसाधनों से नगर पालिका व्यवस्था बनाने का प्रयास करती है, तो नागरिकों को भी इसमें सहयोग देना चाहिए। सब्जी विक्रेता निर्धारित स्थल पर बैठें और सड़क पर सब्जी न फैंकें तो उनका सफाई और यातायात व्यवस्था में बड़ा योगदान होगा।
> **ऋतु मेहरा,** सीएमओ

हाथ करघा दिवसः बुनकरों को किया सम्मानित

महेश्वर। जिला हाथ करघा कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र महेश्वर में 11वां राष्ट्रीय हाथ करघा दिवस उत्सव और आत्ममंथन दोनों के भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय बुनकरों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपनी कला और संघर्ष दोनों को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मल्यार्पण से हुआ, जिसमें बुनकर संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश मुकाती, भाजपा प्रदेश बुनकर प्रकोष्ठ सह-संयोजक शम्मी आमगा, सहायक संचालक राजकुमार सराफ, सेवानिवृत्त अधिकारी श्याम रंजन सेनगुप्ता, राजेश जोशी, प्रभारी अधिकारी राजेश बाविस्कर मंच पर मौजूद रहे। इस अवसर पर कबीर बुनकर पुरस्कार प्राप्त बुनकरों एवं वरिष्ठ शिल्पकारों को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने महेश्वरी साड़ी की ऐतिहासिक विरासत और बुनाई की बारीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान शम्मी आमगा ने सुझाव दिया कि अब समय आ गया है जब महेश्वर की दुकानों पर बिकने वाली महेश्वरी साड़ियों की असली और नकली पहचान के लिए बोर्ड लगाए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा सके और असली बुनकरों के उत्पादों को उनका हक मिल सके।

बिस्तर पर ग्राइंडर से गर्दन काटकर की खुदकुशी

नर्मदापुरम। जिले के इटारसी में एक कारोबारी के बेटे ने सुसाइड कर लिया। उसने खुद को मौत देने के लिए रोंगटे खड़े कर देने वाला तरीका चुना, जिसके बारे में जानकर किसी की भी रूह कांप जाए। कारोबारी के बेटे ने ग्राइंडर मशीन से बिस्तर पर अपनी गर्दन काटकर सुसाइड किया है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का दृश्य देख हैरान रह गई। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इटारसी के सुखतवा गांव में रहने वाले हार्डवेयर कारोबारी अशोक साहू के बेटे उपांशु साहू उम्र 22 साल ने मंगलवार-बुधवार की रात दर्दनाक तरीके से सुसाइड कर लिया। उसने ग्राइंडर मशीन से खुद की गर्दन काट ली। पिता अशोक साहू ने बताया कि छोटा बेटा उपांशु दुकान पर बने घर में रहता था और बाकी परिवार बस्ती के पुराने मकान में रहते हैं। बुधवार की सुबह जब दुकान नहीं खुली तो छत से जाकर देखा तो कमरे में खून फैला हुआ था और खून से लथपथ उपांशु बिस्तर पर पड़ा था। गर्दन के पास ग्राइंडर मशीन थी जिससे उसने अपनी गर्दन काटी है।

पहली बार हुआ वेंटीलेटर के जरिए सांस ले रही मरीज का ऑपरेशन

बीएमसी के डॉक्टर्स ने गर्भवती महिला को दिया नया जीवन

सागर, दोपहर मेट्रो

पेट में मृत शिशु और मिर्गी के दौरे से मौत की कगार पर बेहोशी की हालत में बीएमसी (बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज) लाई गई एक महिला की डाक्टरों की टीम ने जान बचा ली। पहली बार वेंटीलेटर पर मरीज का ऑपरेशन किया गया। महिला चार दिन तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद होश में आई और अब वह स्वस्थ है।

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के गायनी विभाग में 28 जुलाई को एक गर्भवती महिला को लाया गया , जिसके पेट में बच्चा मर चुका था। महिला की सांसें थम गई थीं। नब्ज मिल नहीं रही थी। ब्लड प्रेशर मशीन में दिख नहीं रहा था। तभी डॉक्टर ने अंतिम प्रयास के तहत सीपीआर (कृत्रिम सांस) दिया और ब्लड प्रेशर बढ़ाने की दवा दी गई। महिला को तत्काल वेंटीलेटर पर रखा गया। फिर जैसे चमत्कार हुआ और उसके ब्लड प्रेशर के साथ नब्ज में हरकत दिखी तो डॉक्टरों की उम्मीद जाग गई। सांस चलना शुरू हुई लेकिन अभी भी महिला होश में नहीं आई थी। पेट में मरा हुआ बच्चा गंभीर इंफेक्शन पैदा कर सकता था।

मरीज के परिजनों के साथ ऑपरेशन करने वाले डॉक्टरों की टीम

राहतगढ़ से आई थी शिफा कुरैशी

बीएमसी के मीडिया प्रभारी डॉ. विशाल भदकारिया ने बताया कि राहतगढ़ निवासी मरीज शिफा कुरैशी पत्नी हसीन कुरैशी को मिर्गी के झटके के साथ परिजन लेकर आए थे। डॉ. वर्षा और डॉ. अभय ने उसे अटेंड किया था। सीपीसीआर इन डॉक्टर्स ने दिया। जटिल ऑपरेशन डॉ. शीला जैन, डॉ. प्रियंका पटेल ने किया। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. सर्वेश जैन, डॉ. मोहम्मद इलियास और डॉ. अजय का योगदान रहा। बीएमसी डीन डॉ. पीएस ठाकुर, अधीक्षक डॉ. राजेश जैन ने कहा कि गायनी विभाग में हर दिन औसत 40 मरीज आ रहे हैं। स्टाफ की कमी तो है लेकिन निर्देश दिए गए हैं, कि प्रत्येक मरीज पर डॉक्टर्स व स्टाफ देखरेख व इलाज में मेहनत करे। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिला की जान बचाने वाले डॉक्टर्स की टीम ने अच्छा कार्य किया।

10 प्रतिशत था बचने का चांस

डॉक्टरों की चिंता महिला के पेट से मृत शिशु को बाहर निकालने की थी, लेकिन वेंटीलेटर पर ऑपरेशन कैसे किया जाए, क्योंकि बीएमसी में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। स्त्री रोग विशेषज्ञ, एनेस्थीसिया डॉक्टर्स की टीम ने अभिभावकों को स्थिति से अवगत कराया। वेंटीलेटर सहित महिला को ऑपरेशन थियेटर ले गए। बीएमसी में पहली बार वेंटीलेटर पर पड़े मरीज का ऑपरेशन किया गया और महिला के पेट से मृत बच्चा निकाला गया। चार दिन की गहन निगरानी के बाद डॉक्टर्स की मेहनत रंग लाई और महिला होश में आ गई। परिजनों ने राहत की सांस ली ।

शराब जब्त करने के आंकड़े बताकर अपनी पीठ थपथपा रहा है प्रशासन

सागर में अवैध शराब...गोरखधंधा चालू आहे

शशिकांत टिमोले, सागर

सागर जिले में देशी-अंग्रेजी शराब का काला कारोबार धड़ल्ले से जारी है। पुलिस और आबकारी विभाग कार्यवाही के नाम पर शराब जब्ती और प्रकरण पंजीबद्ध कर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। अवैध शराब की जब्ती के आंकड़ों की बाजीगरी में शासन प्रशासन जुटा है। अब सवाल यह है कि पुलिस और आबकारी विभाग सक्रिय है तो अवैध शराब का गोरखधंधा कैसे चल रहा है। इसका सीधा सा यह आशय निकाला जा सकता है कि इस गोरख धंधे में मिलीभगत की है। वरना क्या वजह है कि एक सत्तासीन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि को अवैध शराब का मुद्दा विधानसभा में उठाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि जिले में अवैध शराब के गोरखधंधे पर लगाम कसने लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर आबकारी विभाग सक्रिय हैं। आबकारी विभाग की छापेमारी के आंकड़ों से साबित हो रहा है कि जिले में किस कदर यह कारोबार चरम पर है। अवैध शराब की जब्ती और दर्ज किए गए प्रकरण इस गोरखधंधे की गवाही दे रहे हैं। अवैध शराब का कारोबार जिले के अमूमन हर थाना क्षेत्र में चल रहा है। रोज ही किसी न किसी थाने से अवैध शराब जब्ती की खबरें जारी होती रहती हैं।

जिला प्रशासन के माह जुलाई व पिछले 4 माह के आंकड़े

इधर जिला प्रशासन के आंकड़ों मुताबिक जिले में अवैध मदिरा पर जुलाई माह में 229 विभागीय एवं 86 न्यायालयीन प्रकरण दर्ज किए गए और 7.61 लाख से अधिक की अवैध मदिरा जप्त की गई। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 1 जुलाई 2025 से 31.जुलाई 2025 तक आबकारी उपनिरीक्षकों एवं स्टाफ द्वारा विभिन्न वृत्तों में कार्रवाई करते हुए कुल 229 विभागीय एवं 86 न्यायालयीन प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस दौरान देशी मदिरा 72.8 बल्क लीटर, विदेशी मदिरा 195.75 बल्क लीटर, हाथभट्टी मदिरा 64 लीटर एवं महुआ लाहन 5420 किलोग्राम जप्त की गई है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 7,61,936 रुपए आंका गया है। इसके अलावा 1 अप्रैल 2025 से 31 जुलाई 2025 तक की अवधि में 889 विभागीय एवं 279 न्यायालयीन प्रकरण दर्ज किए गए। इस अवधि में देशी मदिरा 645.48 बल्क लीटर, विदेशी मदिरा 1589 बल्क लीटर, हाथभट्टी मदिरा 263.1 लीटर, महुआ लाहन 20650 किलोग्राम, एक मोटरसाइकिल एवं एक महेन्द्रा पिकअप वाहन जप्त किया गया। इन जब्ती की बाजार कीमत लगभग 43,45,186 रुपए है। बहरहाल, अवैध शराब के गोरखधंधे का काला कारोबार और शासन प्रशासन के आंकड़ों का खेल निरंतर जारी है।

विधानसभा में उठ चुका है अवैध शराब का मामला

पिछले दिनों नरयावली विधानसभा में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने का मामला विधायक लारिया ने सत्र के दौरान उठाया था। विधायक लारिया ने उपमुख्यमंत्री व वाणिज्यिक मंत्री से यह जानना चाहा कि आबकारी विभाग ने नरयावली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अवैध शराब बिक्री रोकने के संबंध में अप्रैल वर्ष 2025 से अब तक कब-कब कार्यवाही की गई है। अवैध शराब बिक्री को रोकने के लिए विभाग की क्या योजना है तथा विभाग विशेष दल गठित कर कार्यवाही करेगा, यदि हां तो जानकारी दें। यदि अवैध शराब बिक्री एवं निर्माण के संबंध में कार्यवाही की गई है तो विगत एक वर्ष में कितने प्रकरण दर्ज किए गए और विभाग द्वारा कितने प्रकरणों में अपराधियों को दंड मिला है। जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नरयावली विधानसभा क्षेत्र में 1 अप्रैल 2025 से 15 जुलाई 2025 तक अवैध शराब बिक्री के संबंध में निरंतर कार्यवाही कर कुल 40 न्यायालयीन प्रकरण कायम किए गए हैं। विभाग द्वारा अवैध शराब की बिक्री पर नियंत्रण रखे जाने के उद्देश्य समय-समय पर दल गठित कर कार्यवाही की गई। विगत एक वर्ष में नरयावली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अवैध शराब की बिक्री एवं निर्माण संबंधी कुल 194 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। कायम प्रकरणों में से 180 प्रकरणों में अपराधियों को न्यायालय द्वारा अर्थदण्ड से दंडित किया गया है।

बेरिकेड लगाकर निगरानी में किसानों को मिल रही है खाद

किसानों ने हंगामा किया तो प्रशासन अलर्ट

चेक प्वाइंट लगवाए कूपन वालों को ही प्रवेश

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बीते दिनों तेंदूखेड़ा और जबेरा में खाद को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद अब जिले में खाद का वितरण शुरू हो गया है। इसके लिए जिला प्रशासन ने कुछ प्रबंध किए हैं, जिसके तहत प्रत्येक किसान को एक बही पर दो बोरी खाद दी जा रही है और उसके लिए उसे एक टोकन दिया जा रहा है। सबसे अधिक खाद की डिमांड तेंदूखेड़ा क्षेत्र से थी जहां पर जिले के सबसे अधिक रकबे में हाई ब्रीड मक्का की बोबनी की गई है।

नई व्यवस्था के तहत सुबह से ही सैकड़ों किसान खाद लेने के लिए पहुंचे। इन्हें पहले से ही टोकन दे दिए गए थे। तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरव गंधर्व ने बताया कि केवल उन्हीं किसानों को मंडी परिसर में प्रवेश दिया जा रहा है जिनके पास टोकन है। 800 किसानों को 1600 बोरी खाद दी गई।

इनका कहना है

खाद वितरण का काम शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार तीन चेक पाइंट बनाए गए हैं। अनाधिकृत व्यक्तियों को प्रवेश नहीं दिया गया है। भारी संख्या पुलिस बल भी तैनात है।
- **सौरव गंधर्व**, एसडीएम तेंदूखेड़ा

बेबस नदी के तेलन घाट पर भाई के साथ नहाने गया युवक डूबा

सागर। बेबस नदी पर बने तेलन घाट पर नहाते समय एक युवक डूब गया। वह अपने चचेरे भाई के साथ नदी पर नहाने के लिए गया था। घटना सानोधा थाना क्षेत्र की है। एसडीआरएफ की टीम युवक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय आदर्श अहिरवार सानौधा हाल निवासी ग्राम सिदगुवां अपने चचेरे भाई अभय अहिरवार के साथ तेलन घाट पर नहाने के लिए पहुंचा था। दोनों भाई नदी में नहा रहे थे तभी आदर्श गहरे पानी में चला गया और डूब गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना सानौधा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और मामला जांच में लिया। सागर से एसडीआरएफ की टीम पहुंची नदी में युवक की सर्चिंग कर रही है, लेकिन अब तक युवक का कुछ पता नहीं चल सका है। एसडीआरएफ प्रभारी अनिमेष राजपूत ने बताया कि तेज बहाव व गहराई के कारण युवक का पता नहीं चल पाया। सर्चिंग जारी है।

स्कूल की छत का प्लास्टर गिरा, सात वर्षीय छात्र घायल

उमरिया। मुख्यालय से सटे कोयलारी गांव के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में बड़ा हादसा होने की खबर है। बताया जाता है कि प्राथमिक विद्यालय कोयलारी में छत से प्लास्टर गिरने से एक सात वर्षीय मासूम छात्र घायल हो गया है। घटना के बाद बच्चे को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि विद्यालय की बिल्डिंग काफी पुरानी और जर्जर हालत में है। हादसे के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। मौके पर शिक्षकों ने अन्य छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला।गौरतलब है कि जिले में सैकड़ों ऐसे स्कूल भवन हैं जो 25 से 35 साल पुराने हैं और जर्जर हालत में हैं।

राखी पर बहन को लेने आ रहे भाई की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गुरुवार की शाम बहन को लेने आ रहे एक भाई की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर शाम एक बाइक सवार अपनी बहन को लेने के लिए तेंदूखेड़ा के भौपाठा गांव आ रहा था। इस दौरान दरौली के पास शाम करीब 6 बजे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा से 108 वाहन से डॉ संदीप ठाकुर पायलट नरेश आठ्या और डायल 100 से पायलट चरण सिंह ठाकुर प्रधान आरक्षक केवल प्रधान सैनिक मनोहर सिंह ठाकुर सहित पुलिस मोके पर पहुंची ओर जांच पड़ताल की मृतक की पहचान नरसिंहपुर जिले के थाना सुआताल के झिलपुरी ढाना निवासी दुर्गेश पिता घनश्याम ठाकुर 25 के रूप में हुई। शव को तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित रखवाया गया जहां शुक्रवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया गया

घर में मातम छाया : घटना की सूचना मिलते ही परिजन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। मृतक के जीजा भौपाठा निवासी लखन गौड़ ने बताया कि दुर्गेश रक्षाबंधन पर्व के चलते बाइक से अपनी बहन को लेने भौपाठा गांव आ रहा था, लेकिन रास्ते में अज्ञात वाहन वाहन की टक्कर से मौत हो गई। घटना की सूचना लखन द्वारा अपनी सुसराल में दे दी गई है। जहां परिजन मौके से निकल चुके हैं। वहीं क्षेत्र व मृतक के घर में मातम छाया हुआ है

बाइक सवार के पास से मिली खाद की बोरी : घटनास्थल से बाइक सहित मृतक के पास मौके पर दो बोरी खाद यूरिया मिला है जहां पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। बाइक सवार मृतक युवक अपनी बहन को लेने के लिए आ रहा था या फिर कहीं से खाद खरीदकर ले जा रहा था। यह जांच का विषय है। पुलिस द्वारा सभी पहलू पर जांच पड़ताल की जा रही है।

मेडिकल स्टोर्स में मिली गड़बड़ी 15 दुकानों को दिए गए नोटिस

एक्सपायरी डेट और नशे वाली दवाई मिली

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले में चल रहे मेडिकल स्टोर्स की जांच में बड़ी कमियां मिली हैं। 15 मेडिकल संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत जहां खाद्य दुकानों डेयरी दुकानों पर कार्रवाई की जा रही है वहीं जिले के सभी मेडिकल स्टोर की जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। औषधि निरीक्षक सोनम जैन ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर जिले की मेडिकल स्टोरों की जांच की जा रही है एवं कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है उन्होंने बताया कि एक माह में 15 मेडिकल स्टोर से अधिक की जांच की गई एवं उनको नोटिस भी जारी किए।

इन मेडिकल स्टोर को नोटिस : सोनम जैन ने बताया कि जिन मेडिकल स्टोर की जांच की गई एवं नोटिस जारी किए गए उनमें महावीर ड्रग सेंटर बीना ,नम्रता मेडिकल बीना, श्री राम मेडिकल बीना, राम मेडिकल जरुआखेड़ा, प्रिंस मेडिकल सिद्धि विनायक सागर, सोनल मेडिकल सागर, राजपूत मेडिकल शाहगढ, रामराजा मेडिकल शाहगढ, हर्ष मेडिकल बड़ा बाजार, जन औषधि केंद्र भगवानगंज, आदर्श मेडिकल मकरोनिया, न्यू तारा मेडिकल शाहगढ, सेठ मेडिकल शाहगढ, गूंजन मेडिकल देवरी, पटेल मेडिको मोतीनागर, श्री राधे मेडिकल विजय ताकी सागर, श्री पटेल मेडिकल कटरा,राधा मेडिकल विजय ताकी सागर,आराध्या मेडिकल मकरोनिया, चौधरी मेडिकल स्टोर बस स्टैंड.जय बालाजी मेडिकल, खुरई, ड्रग होम खुरई शामिल हैं। उक्त मेडिक्सल स्टोर के निरीक्षण किये गए जिनमे कमियां पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

बिना बिल की नशे वाली दवाई मिली : चौधरी मेडिकल स्टोर पर नशे के रूप मे उपयोग होने वाली दवाईयां बिना बिल के पायी गयी थी। जिन्हे मौके पर जब्त कर लिया गया था एवं जिनका कोई रिकॉर्ड दुकान पर प्रस्तुत नहीं किया गया था। अतः नोटिस जारी कर उनका जवाव मांगा गया है । हर्ष मेडिकल बड़ा बाजार पर एक्सपायरी दवाएं विक्रय स्थल पर पायी गई थी जिन्हे भी जब्त कर नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार अन्य दुकानों पर भी कमियां जैसे फार्मासिस्ट का ना पाया जाना बिल बुक एवं अन्य रिकॉर्ड ना पाए जाने पर नोटिस जारी किये गए हैं । विगत माह मे 15 दवाइयों के सैंपल भी जाँच के लिए भोपाल भेजे गए हैं। सोनम जैन ने बताया कि किसी भी मेडिकल स्टोर पर अनियमितता पाए जाने पर उसको सील करने की कार्रवाई की जाएगी एवं उसका लाइसेंस भी निरस्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी मेडिकल स्टोर की लगातार जांच जारी रहेगी।

मेट्रो एंकर मेडिकल कॉलेज में हुआ हार्ट, लिवर और किडनी का सफल प्रत्यारोपण

अंगदान कर जाते-जाते दे दी तीन लोगों को नई जिंदगी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में एक मानवता का अनुकरणीय उदाहरण देखने को मिला, जब एक ब्रेन डेड मरीज सतेंद्र यादव ने अंगदान कर तीन लोगों को नई जिंदगी देने का निर्णय लिया। मरीज सतेंद्र यादव पुत्र रोहिणी प्रसाद यादव मोटरसाइकिल पर सवार थे। दूसरे मोटरसाइकिल से सुपाताल मस्जिद के पास 4 अगस्त शाम 6 बजे टक्कर होने के कारण सिर में चोट आ गई और बेहोश हो गए। इसके 5 घंटे बाद 11 बजे परिवारजनों द्वारा मरीज को मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल जबलपुर के मेडिकल इमरजेंसी यूनिट में में पहुंचाया गया। स्थिति में सुधार न होने के कारण 5 अगस्त को सुबह 5 बजे न्यूरोसर्जरी विभाग ने भर्ती कराया गया। एवं परिवारजनों से सहमति लेने के बाद शाम 8 बजे पहला और 4 बजे दूसरा एपनीए टेस्ट कराया गया। गाइडलाइन के अनुसार अंग को

एलोकेट कर ब्रेन डेड घोषित किए गए मरीज के दिल को हवाई मार्ग से अहमदाबाद भेजा गया, जबकि लीवर को भोपाल स्थित अस्पताल में प्रत्यारोपण हेतु रवाना किया गया। इसके अतिरिक्त, एक किडनी का प्रत्यारोपण जबलपुर स्थित सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के एक जरूरतमंद मरीज को सफलतापूर्वक किया गया।

यह संपूर्ण प्रक्रिया मेडिकल कॉलेज के न्यूरो सर्जन, यूरोलॉजिस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट, एनेस्थेसिओलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट, ट्रांसप्लांट नोडल अधिकारी, प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, ओटी स्टॉफ, नेफ्रोलॉजी स्टॉफ एवं अन्य कर्मचारी, प्रशासन, ग्रीन कॉरिडोर में सहयोग देने वाले ट्रैफिक विभाग और अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों के आपसी तालमेल से समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया और अंगदाता परिवार के प्रति गहरी संवेदना एवं आभार प्रकट किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रयास मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की एक बड़ी उपलब्धि है।

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग विभाग– खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता(समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक–** डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी.–118–2025 दिनांक 01.08.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित–** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर क्षेत्राधिकार के अंतर्गत इटारसी–जबलपुर खंड पर 0.967 किमी सीटीआर 14.892 किमी टीएसआर, 3.20 किमी टीआरआर और टीएफआर 19.333 किमी का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये–** 3,26,79,023/–, **बयाना राशि रूपये–** 3,13,400/–, **समापन अवधि–** 24 माह, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15:00 बजे–** 26.08.2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय 15:15 बजे–** 26.08.2025, **निविदा सूचना क्रमांक–** डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी.–119–2025 दिनांक 01.08.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित–** मंडल अभियंता (दक्षिण) जबलपुर क्षेत्राधिकार के अंतर्गत इटारसी–जबलपुर खंड पर सेस के विस्तार/सेस की मरम्मत का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये–** 9,84,52,195/–, **बयाना राशि रूपये–** 6,42,300/–, **समापन अवधि–** 18 माह, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15:00 बजे–** 26.08.2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय 15:15 बजे–** 26.08.2025, **निविदा सूचना क्रमांक–** डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी.–120–2025 दिनांक 05.08.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहित–** सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) जबलपुर उपमंडल के अंतर्गत दो वर्षों के लिए महाप्रबंधक कैंप कार्यालय तथा महाप्रबंधक कैंप कार्यालय के पास स्थित रेलवे नर्सरी में स्थित लॉन, हेज, गुलाब उद्यान, क्यारी, पौधे, रसोई, उद्यान आदि का रख–रखाव।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये–** 23,75,300/–, **बयाना राशि रूपये–** 47,500/–, **समापन अवधि–** 24 माह, **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15:00 बजे–** 29.08.2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय 15:15 बजे–** 29.08.2025, उपरोक्त ई–निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाईट https://www.ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

(हस्ता)

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दलीप ट्रॉफी का आगाज 28 अगस्त से

शुभमन गिल को सौंपी गई नॉर्थ जोन टीम की कमान

नई दिल्ली , एजेंसी

शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। अब गिल को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन टीम की कमान सौंपी गई है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त से होने जा रही है। शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे पर पांच मुकाबलों में 65.57 की औसत के साथ 754 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज खिताब से नवाजा गया। शुभमन गिल के अलावा, इस 15 सदस्यीय टीम में अर्शदीप सिंह, अंशुल कंबोज और हर्षित राणा शामिल हैं।

अंशुल कंबोज ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। राणा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए की ओर से खेले, लेकिन अर्शदीप को इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिल सका। गुरुवार को जोनल सेलेक्शन कमेटी ने घोषणा करते हुए बताया कि अगर गिल, अर्शदीप और राणा में से किसी को भी दलीप ट्रॉफी के साथ होने वाले मैचों के लिए भारतीय टीम में चुना जाता है, तो सर्विसेज के शुभम रोहिल्ला, पंजाब के गुरनूर बरार और हरियाणा के अनुज ठकराल को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा। टीम इंडिया 9-28 सितंबर के बीच टी20 एशिया कप खेलेगी।

नार्थ जोन की टीम में यश दुल भी शामिल

नॉर्थ जोन की टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में दिल्ली के ऑलराउंडर आयुष बडोनी और बल्लेबाज यश ढुल शामिल हैं, जिन्होंने 2022 अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत की कप्तानी की थी। दलीप ट्रॉफी छह टीमों वाले जोनल फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसके साथ 2025/26 घरेलू क्रिकेट सीजन की शुरुआत होगी। नॉर्थ जोन अपने अभियान की शुरुआत ईशान किशन की अगुवाई वाले ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से करेगा। विजेता टीम सेमीफाइनल में साउथ जोन से भिड़ेगी।

नॉर्थ जोन की टीम- शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन (विकेटकीपर)।

कनाडा की युवा खिलाड़ी मबोको ने फाइनल में रिबाकिना को हराया

मॉन्ट्रियल । कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया मबोको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में नौवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। 18 साल की मबोको ने रिबाकिना को 1-6, 7-5, 7-6 (4) से मात दी। मबोको ने तीसरे सेट में मैच प्वाइंट बचाया और दो बार रिबाकिना की सर्विस तोड़कर सेट टाईब्रेकर में पहुंचाया। मबोको का सामना अब जापान की चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन को 6-2, 7-6 (7) से हराया। 85वीं रैंकिंग की मबोको अपने पहले डब्ल्यूटीए टूर खिताब की तलाश में उतरेंगी। अगर मबोको खिताब जीतने में सफल रहीं तो वह ओपन एरा में घरेलू टूर्नामेंट जीतने वाली कनाडा की तीसरी खिलाड़ी होंगी। कनाडा के लिए फेय अर्बन (1969) और बियांका आंद्रेस्कू (2019) में ऐसा कर चुकी हैं। मबोको ने कहा, अभूतपूर्व मैच। जिन्होंने मेरा समर्थन किया उन सभी को धन्यवाद। यह काफी कठिन मैच था, लेकिन सब कुछ संभव है। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका 2022 में मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से ही डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करती आ रही हैं। वह अपने आठवें और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद अपने पहले खिताब की तलाश में उतरेंगी।

न्यूजीलैंड बनाम जिम्बाब्वे

मैट ने खोला पंजा, मेजबान पहली पारी में 125 पर ढेर

नई दिल्ली , एजेंसी

न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच बुलावायो में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है, जिसके पहले दिन महज 48.5 ओवरों के खेल में कीवी टीम ने मेजबान देश को 125 रन पर ढेर कर दिया। मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे को अपना ही फैसला भारी पड़ गया। मेजबान टीम ने खाता खुलने के तुरंत बाद ब्रायन बेनेट (0) का विकेट गंवा दिया।

यहां से ब्रैंडन टेलर ने टीम को संभालने की कोशिश शुरू की। उन्होंने निक वेल्च (11), सीन विलियम्स (11) और कप्तान क्रेग इर्विन (7) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कीं। ब्रैंडन टेलर 107 गेंदों में छह चौकों की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा तफादजवा सिगा ने 54 गेंदों में नाबाद 33 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को सम्मानजनक स्कोर तक नहीं पहुंचा सके।

हैनरी से झटके 5 विकेट

न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हैनरी ने 15 ओवरों में 40 रन देकर पांच विकेट अपने नाम किए, जबकि जैक फौल्कस ने 16 ओवरों में 38 रन देकर चार विकेट चटकाए। शेष एक विकेट मैथ्यू फिशर के नाम रहा। जिम्बाब्वे के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है। टीम ने इसी मैदान पर सीरीज का पहला टेस्ट नौ विकेट से गंवा दिया था। उस मुकाबले में जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 149 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी में मैट हैनरी ने छह विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 307 रन बनाते हुए 158 रन की लीड हासिल की थी।

जसप्रीत बुमराह बनाम मोहम्मद सिराज, दिग्गजों के बीच बहस शुरू

टेस्ट क्रिकेट में कौन कितना खतरनाक?

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के घमंड को चकनाचूर करते हुए 5 मैचों की सीरीज बराबरी पर खत्म की। मोहम्मद सिराज ने कमाल का प्रदर्शन किया और 23 विकेट झटकते हुए लीडिंग गेंदबाजी की भूमिका निभाई। आखिरी मैच में उनके और प्रसिद्ध कृष्णा के 18 विकेटों ने ऐतिहासिक जीत के साथ हर किसी को हैरान कर दिया। गजब रोमांचक मैच में मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन इसके साथ ही एक नई बहस छिड़ गई। सीरीज के 2 मैचों में नहीं खेलने वाले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज में बेहतर कौन? हारे हुए मैचों में बुमराह थे तो उनके करियर की उपलब्धियों को कलंकित करने की कोशिश की गई। जहां सिराज की तारीफ ही होनी चाहिए थी तो बुमराह को लोग नीचा दिखाने की कोशिश करने लगे।

41 टेस्ट के बाद जसप्रीत बमुराह और मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन- बहस की दिशा तो गलत है ही और साथ ही उसका उद्देश्य भी गलत है। बावजूद इसके एक नजर डालते हैं हैदराबादी हीरो मोहम्मद सिराज और यूनिक एक्शन गेंदबाजी से पूरी दुनियाभर में सबसे कातिल गेंदबाज का ताज पहन चुके बुमराह के करियर पर। हालांकि, सिराज से बुमराह ने अधिक टेस्ट खेले हैं, लेकिन यह तुलना उतने ही टेस्ट पर निर्भर रहेगी, जितने सिराज ने खेले हैं।

सिराज के 123 विकेट, बुमराह के 181 विकेट

पहले सिराज की बात करते हैं। सिराज ने 41 टेस्ट में 31.05 की औसत से 123 विकेट है, जबकि बुमराह 48 टेस्ट खेले हैं, जबकि 41 टेस्ट में 20.06 का औसत था और 181 विकेट झटके थे। सिराज ने अब तक खेले गए 41 टेस्ट मैचों की 76 पारियों में 3.57 की इकॉनमी और 52.1 की स्ट्राइक रेट से विकेट लिए हैं। बुमराह का इकॉनमी पहले 41 टेस्ट मैचों की 79 पारियों में 2.75 था, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 43.6 रहा।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की बेस्ट परफॉर्मेंस

सिराज ने अब तक अपने टेस्ट करियर में कुल 5 बार पारी में 5 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में 15 रन देकर 6 विकेट लेने का रहा था। बुमराह ने अपने पहले 41 टेस्ट मैचों में 11 बार पारी में 5 विकेट लिए थे। उन्होंने 2019 में किंग्स्टन टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 रन देकर 6 विकेट झटके थे। यह उनकी बेस्ट परफॉर्मेंस है।

इंग्लैंड में ऐसा है बुमराह और सिराज का प्रदर्शन

इंग्लैंड में प्रदर्शन की बात करें तो सिराज ने देश में 11 टेस्ट मैचों में 33.21 की औसत से 46 विकेट लिए हैं। उन्होंने दो बार 7 विकेट लिए हैं, जिसमें 6/70 इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। बुमराह ने इंग्लैंड में 9 टेस्ट खेले हैं और 26.27 की औसत से 37 विकेट लिए हैं।

मोहम्मद सिराजः बॉलिंग स्पीड, एक्शन और सबसे बड़ा हथियार

बॉलिंग एक्शन की बात करें तो रनअप के दौरान मोहम्मद सिराज बाएं हाथ के पेसर वाली फील देते हैं, लेकिन वह गेंदबाजी दाएं हाथ से करते हैं। उनके एक्शन को बहुत यूनिक तो नहीं कह सकते, लेकिन वॉबल सीम (ऐसी गेंद है जिसकी सीम हवा में सीधी न जाकर हवा में बलखाते हुए चलती है। यहां गेंदबाज को भी पता नहीं होता कि गेंद इन स्विंग होगी या आउट स्विंग) से गेंदबाजी करना उन्हें खास बना देती है।

बुमराहः बॉलिंग स्पीड, एक्शन बड़ा हथियार

दूसरी ओर, जसप्रीत बुमराह का रनअप काफी छोटा होता है, जो उनकी ऊर्जा को बचाने में मदद करता है। बॉल को रिलीज पॉइंट तक पहुंचने के दौरान बुमराह के हाथ की गति सामान्य से अधिक तेज होती है और रिलीज करने का एंगल भी अन्य की तुलना में काफी कम मूव होता है। यानी बल्लेबाज के करीब होता है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

टाइगर श्रॉफ ने लॉन्च किया प्रॉल मेन्स ग्रूमिंग

बॉलीवुड के एक्शन आइकन टाइगर श्रॉफ ने अपने लाइफस्टाइल ब्रांड प्रॉल के तहत पुरुषों की नई ग्रूमिंग रेंज के लॉन्च की घोषणा की है, जो अब अमेज़न और मिंत्रा पर उपलब्ध है। बॉर्न रेडी के सिद्धांत पर आधारित यह कलेक्शन एक दैनिक ग्रूमिंग रूटीन प्रदान करता है जो सरल, साइंटिफिकली अप्रूव और आधुनिक भारतीय पुरुषों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो बिना किसी झंझट के हर दिन बेहतरीन दिखना और महसूस करना चाहते हैं। एक्शन स्टार, फिटनेस आइकन और युवाओं के चहेते टाइगर श्रॉफ, प्रॉल मेन्स ग्रूमिंग के लॉन्च के साथ ग्रूमिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। यह एक सरल, स्टाइलिश और प्रभावशाली रेंज है जो भारतीय पुरुषों को आत्मविश्वास के साथ बेहतर दिखने और महसूस करने में मदद करती है। अब अमेज़न और मिंत्रा पर उपलब्ध, यह नया कलेक्शन आपकी दिनचर्या को बेहतर बनाने के लिए ज़रूरी हर चीज़ प्रदान करता है।

नई रेंज में 6 मुख्य शामिल हैं- फेस वॉश, बॉडी वॉश, फेस क्रीम, सनस्क्रीन, रोल-ऑन डिओडोरेंट और लिप बाम, ये रोज़मर्रा की ज़रूरतें उन पुरुषों के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन की गई हैं जो कड़ी मेहनत करते हैं और पूरे जोश के साथ जीते हैं। इन उत्पादों में हाई-परफॉर्मेंस इंग्रीडिएंट्स, त्वचा के अनुकूल साइंटिफिक फॉर्मूले और ऐसे खुशबू शामिल हैं जो क्लासिक मेल ग्रूमिंग की यादें ताज़ा कर देते हैं।

मेट्रो बाजार

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पहली तिमाही में 47% बढ़ा

नई दिल्ली । इंडस्ट्री डेटा से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई, जिसमें मोबाइल फोन निर्यात में मजबूत प्रदर्शन के कारण सालाना आधार पर 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 12.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 8.43 अरब डॉलर था। इस गति के साथ, उद्योग निकाय का अनुमान है कि वित्त वर्ष के अंत तक इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 46-50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सबसे अच्छा प्रदर्शन मोबाइल फोन सेगमेंट का रहा, जो 55 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 4.9 अरब डॉलर से वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में अनुमानित 7.6 अरब डॉलर हो गया।

गैर-मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी वृद्धि दर्ज की गई, जो 3.53 अरब डॉलर से बढ़कर अनुमानित 4.8 अरब डॉलर हो गया, जो 36 प्रतिशत की वृद्धि है। इसमें सौर मॉड्यूल, स्विचिंग और रूटिंग उपकरण, चार्जर एडेप्टर और पार्ट्स, तथा कंपोनेंट्स जैसे प्रमुख प्रोडक्ट सेगमेंट शामिल हैं।

आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा, हम मोबाइल फोन उद्योग को इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हैं। यह एक रणनीतिक राष्ट्रीय उपलब्धि है। अब वैश्विक प्रतिस्पर्धा, स्थिरता और गहन मूल्यवर्धन की दिशा में वास्तविक चढ़ाई शुरू होती है।

बॉलीवुड एक्टर कबीर की बीवी है बेटी से भी 6 साल छोटी, शादियों को लेकर बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड में कुछ सितारे ऐसे रहे हैं, जिनकी प्रोफेशनल लाइफ जितनी शानदार रही है, उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी चर्चा में रही है। इन्हीं में से एक हैं दिग्गज एक्टर कबीर बेदी, जिन्होंने अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपनी शादियों को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं। कबीर बेदी ने 70 साल की उम्र में चौथी बार शादी करके सबको चौंका दिया था। उन्होंने साल 2016 में अपनी गर्लफ्रेंड परवीन दुसांज से शादी की। उस समय परवीन की उम्र 41 साल थी और कबीर 70 के थे। आज कबीर 79 साल के हैं और परवीन 49 साल की हैं। दोनों की उम्र में करीब 30 साल का लंबा फासला है, जो अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है। दिलचस्प बात यह है कि परवीन दुसांज, कबीर बेदी की बेटी पूजा बेदी से भी उम्र में छोटी हैं। पूजा बेदी की उम्र 55 साल है, जबकि परवीन 49 की हैं। यानी परवीन, पूजा से लगभग 6 साल छोटी हैं। यह बात सामने आने के बाद काफी विवाद हुआ था और खबरें थीं कि पिता की चौथी शादी से पूजा बेदी नाराज भी थीं। कबीर बेदी ने एक इंटरव्यू में अपनी और परवीन की लव स्टोरी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि उनकी पहली मुलाकात 2005 में लंदन में एक प्ले के दौरान हुई थी। परवीन उस प्ले को देखने आई थीं। प्ले खत्म होने के बाद दोनों की बातचीत हुई और धीरे-धीरे दोस्ती हो गई। दोस्ती कब प्यार में बदल गई, उन्हें पता ही नहीं चला। 30 साल के उम्र के फासले के बावजूद, दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए और 11 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी का फैसला किया।

कबीर बेदी की पिछली शादियां

कबीर बेदी की पहली शादी डांसर प्रोतिमा बेदी से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे हैं - पूजा बेदी और सिद्धार्थ बेदी। प्रोतिमा से तलाक के बाद उन्होंने ब्रिटिश फैशन डिजाइनर सुसान हम्फ्रीज से शादी की, जिनसे उन्हें एक बेटा, एडम बेदी है। इसके बाद उन्होंने तीसरी शादी टीवी और रेडियो प्रेजेंटर निक्की बेदी से की, लेकिन यह शादी भी ज्यादा समय तक नहीं चली। कबीर बेदी ने बॉलीवुड में कई शानदार फिल्में की हैं और रेखा के साथ भी उनका नाम कई बार जोड़ा गया था। हालांकि, उनकी लव लाइफ हमेशा ही चर्चा का विषय रही है और उनकी चौथी शादी आज भी लोगों को हैरान कर देती है। उनकी कहानी यह दिखाती है कि प्यार में उम्र का कोई बंधन नहीं होता।

भारतीय अर्थव्यवस्था घरेलू बाजार पर केंद्रित, ऐसे झटकों से उबरने में सक्षम

नई दिल्ली । भारत पर 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ की घोषणा को लेकर गुरुवार को अर्थशास्त्रियों ने कहा कि देश काफी हद तक घरेलू स्तर पर संचालित अर्थव्यवस्था है। हमने अतीत में कई तूफानों का सामना किया है। इसलिए हमें विश्वास है कि इससे कुछ नुकसान होंगे, लेकिन हम इस झटके को आत्मविश्वास से झेलने में सक्षम होंगे।

इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत तक एडिशनल टैरिफ लगाए हैं, जिससे कुल टैरिफ स्तर 50 प्रतिशत हो गया है। इससे ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, इलेक्ट्रिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स, रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों पर गंभीर असर पड़ेगा। इसलिए, यह निश्चित रूप से भारत में हमारे लिए चिंतित होने का एक कारण है। हालांकि, यह याद रखना जरूरी है कि चीन के विपरीत, भारत काफी हद तक घरेलू स्तर पर संचालित अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि हमने अतीत में कई तूफानों का सामना किया है, जैसे अक्टूबर 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट यहां तक कि कोरोना। इसलिए हमें विश्वास है कि इससे कुछ नुकसान होंगे, लेकिन हम इस झटके को आत्मविश्वास से झेलने में सक्षम होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा को लेकर उन्होंने कहा, लंबे समय से भारत और चीन के बीच बनी दूरी अब ट्रंप के टैरिफ के बाद खत्म होती नजर आ रही है। भारत और चीन के हितों में काफी हद तक सामंजस्य बना हुआ है। अगर दोनों देश एक मंच पर अपनी बात को जोरदार तरीके से उठाएं तो इसमें चीन और भारत दोनों का फायदा होगा।

रिटायर्ड अफसर के बेटे ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित गौतम नगर में रिटायर्ड आईएएस के बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश फर्स्ट फ्लोर पर पंखे पर रस्सी के सहारे लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण गया। वहां से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें किसी महिला पर उनकी दुकान पर जबरन कब्जा करने की बात लिखी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि सौर भार्गव पिता चंद्रप्रकाश भार्गव (49) गौतम नगर में रहते थे। उनका पत्नी से करीब पंद्रह साल पूर्व तलाक हो चुका है। वे शेयर मार्केट का काम करते थे और फर्स्ट फ्लोर पर अकेले रहते थे, जबकि उनके पिता चंद्रप्रकाश भार्गव राज्य प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त है। वह ग्राउंड फ्लोर पर पत्नी के साथ रहते हैं। चंद्रप्रकाश भार्गव ने पुलिस को बताया कि गुरुवार सुबह घर में काम करने वाली बाई आई थी। बाई ने ग्राउंड फ्लोर पर सफाई की और फर्स्ट फ्लोर पर साफ सफाई करने पहुंची। उसने दरवाजा खटखटाया, लेकिन सौरभ ने दरवाजा नहीं खोला। चंद्रप्रकाश फर्स्ट फ्लोर पर पहुंचे और दरवाजा खोलने सौरभ को आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो सौरभ का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सेंट्रल लॉक से उन्होंने दरवाजा खोला। इधर सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मोबाइल जब्त किया है। मोबाइल की जांच की जा रही है।

नजीराबाद थाना क्षेत्र का मामला

साइकल सवार स्कूली छात्र को बाइक ने मारी टक्कर, गंभीर रूप से हुआ घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नजीराबाद इलाके में सायकिल सवार एक स्कूली छात्र को बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल छात्र को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार अर्जुन सिंह मोगिया (15) ग्राम कोलूखेड़ी कला हाल नेतापुरा में रहता है और सातवीं कक्षा में पढ़ता है। गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अपने दोस्त की सायकिल में हवा भरवाने के बाद वापस लौट रहा था। नेतापुरा के पास ही रुनाहा की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने उसकी सायकिल में टक्कर मार दी, जिससे वह सायकिल लेकर गिर पड़ा। टक्कर लगने से अर्जुन को सिर और पूरे शरीर में गंभीर चोट आई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अर्जुन से पूछताछ कर टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अचानक ब्रेक लगाने पर सीट से गिरी युवती घायल – बस में सवार होकर पुणे से भोपाल आ रही एक युवती अचानक ब्रेक लगाने के कारण अपनी सीट से नीचे जा गिरी, जिससे उसे गंभीर चोट आई है। बस चालक ने युवती का इलाज कराने के बजाए उसे स्टाप पर उतारकर चला गया। बाद में युवती ने थाने जाकर आरोपी बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज करवा दिया। जानकारी के अनुसार बैरागढ़ निवासी रीमा धनवानी पुणे में रहती हैं। गुरुवार को वह बस में सवार होकर पुणे से भोपाल आ रही थी।

दोपहर करीब दो बजे मुबारकपुर टोल नाका क्रास करने के बाद बस चालक ने अचानक तेजी के साथ ब्रेक लगा दिये, जिससे रीमा अपनी स्लीपर सीट से उछलकर सामने जाली से टकराई और नीचे जा गिरी। इससे उनकी नाक और सिर में गंभीर चोट आई और चश्मा भी टूट गया। चालक ने उन्हें आसाराम बाबू चौराहे के पास उतारा और बस लेकर चला गया। बाद में उन्होंने अपने परिजनों को बुलाया और फिर परवलिया थाने पहुंचकर बस चालक के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

पिकअप की टक्कर से स्कूटर सवार युवक घायल

भोपाल। अरेरा हिल्स इलाके में एक तेज रफ्तार पिकअप ने स्कूटर सवार युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार पंकज विश्वकर्मा (28) सेमराकला अशोका गार्डन में रहता है और फोटोग्राफी का काम करता है। गुरुवार रात करीब सवा आठ बजे वह अपनी स्कूटर से शाहपुर से घर लौट रहा था। एमपी नगर थाना चौराहा से कोर्ट चौराहे की तरफ जाते समय एक सफदे रंग की पिकअप ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है। आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

परिवार की मौजूदगी में मकान की रजिस्ट्री के 36 हजार रुपए चोरी

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित रेजीमेंट रोड पर विधवा महिला के घर में घुसकर अज्ञात चोर ने 36 हजार रुपए चुरा लिए। महिला ने मकान की रजिस्ट्री के लिए रुपए अपने भाई से लिए थे। महिला ने अपने बेटे के दोस्त व उसके साथी पर शक जाहिर किया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। बेटे के दोस्त व उसके साथी पर शक की सुई पुलिस के मुताबिक रेजीमेंट रोड शाहजहांनाबाद निवासी अफसाना बी (51) विधवा हैं। विगत छह-सात अगस्त की दरमियानी रात करीब एक बजे उनका बेटा शादाब ड्यूटी करके घर लौटा। दरवाजा खोलने के बाद अफसाना बी अपने कमरे में सोने चली गईं। कुछ देर बाद शादाब का दोस्त अदनान अपने एक साथी के साथ घर के आंगन में घुस आया। अफसाना बी का कहना है कि संभवत- ड्यूटी से लौटे शादाब ने भीतर आने के बाद दरवाजे की कुंडी नहीं लगाई थी। अदनान ने शादाब को बातों में लगा लिया जबकि दूसरा लड़का टहलते-टहलते उस कमरे में चला गया। वो लडका पन्नी में रखे 35-36 हजार रुपए निकालने लगा। पन्नी की आवाज सुनकर अफसाना बी बिस्तर से उठने लगीं। उन्हें उठता देख वो लडका रुपए निकालकर भाग निकला। फरियादिया का कहना है कि चोरी हुए रुपए उन्होंने अपने भाई रफी अहमद से मकान की रजिस्ट्री के लिए जीपीओ से निकालकर दिए थे। उनके बेटे शादाब ने चोर को कपड? का प्रयास किया लेकिन वो गली के रास्ते भाग गया। अदनान भी वहां से गायब हो गया। घर के बाहर एक पल्सर बाइक खड़ी थी। वहां खड़े एक लडके ने बताया कि मैं जानता हूं, वो लडका कहां रहता है। वो लडका मां-बेटे को पैरामाउंट स्कूल तक ले गया और बोला कि मुझे उसका घर नहीं मालूम। इसके बाद वो पल्सर गाड़ी ले जाने लगा। अफसाना बी और शादाब को शक था कि गाड़ी चोर की है। लेकिन वो लडका बोला कि गाड़ी मेरे भाई की है। जबरदस्ती वो गाड़ी लेकर चला गया। फरियादिया ने संदेह के आधार पर अदनान व उसके साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है।

पड़ोसी महिला ने अमानत के रूप में रखे लाखों के जेवरात व नगदी हड़पी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ पुलिस ने एक महिला और उसके साथी के खिलाफ अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज किया है। पड़ोस में रहने वाली एक अन्य महिला उसे अपने लाखों रुपए के जेवरात व नगदी अमानत के रूप में सौंपकर अहमदाबाद चली गई थी। लेकिन आरोपी महिला ने जेवरात व नगदी हड़प ली।

पुलिस के मुताबिक सीआरपी बैगराढ़ निवासी मधु गिदवानी पत्नी प्रकाश गिदवानी कुछ समय पहले तक बैरागढ़ इलाके में रहती थीं।

उसके बाद वह अहमदाबाद शिफ्ट हो गई। बैरागढ़ में उनके पड़ोस में दीपा मोदवानी व गोपाल मोदवानी रहते थे। पड़ोसी होने के कारण दोनों परिवारों में मधुर संबंध थे। मघु गिदवानी जब भी अहमदावाद से भोपाल आतीं तो दीपा मोदवानी के घर पर ही रुकती थीं।

बीते अप्रैल माह में भी वह भोपाल आई आई और दीपा के घर पर ही रुकीं। रात में सोते समय मधु ने सोने के जेवरात व हजारों रुपए की नगदी दीपा को देते हुए कहा था कि इन्हें रख लो, सुबह ले लूंगी। अगले दिन जब उन्होंने नगदी व जेवर वापस मांगे तो दीपा बहाने बनाने लगी। क्योंकि मधु उस समय जल्दी में थीं इसलिए वह अहमदाबाद लौट गई।

उन्होंने अहमदाबाद से फोन कर भी दीपा से नगदी व जेवरात के बारे में पूछा लेकिन दीपा लगाता टाल-मटौल करती रही। पिछले दिनों मधु भोपाल आई तो भी उनके जेवर व नगदी नहीं मिले। इस पर उन्होंने मामले की शिकायत बैरागढ़ थाने में कर दी। पुलिस ने जांच के बाद दीपा और गोपाल गिदवानी के खिलाफ अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

ड्राइवर की लापरवाही से पलटा ई-रिक्शा दंपति घायल, पुलिस ने दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज स्थित ओल्ड कैंपियन स्कूल बस स्टॉप के पास एक तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक रिक्शा पलट गया। इस हादसे में रिक्शे में सवार दंपति रिक्शे के नीचे दबकर घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार प्रशांत थापा (23) प्रोफेसर कालोनी श्यामला हिल्स में रहते हैं और एमपी नगर स्थित एक शापिंग मॉल में शैफ का काम करते हैं। गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपनी पत्नी के साथ बारह नंबर स्टॉप से एमपी नगर जाने के लिए निकले थे। रास्ते में इलेक्ट्रिक रिक्शा चालक काफी तेज गति से रिक्शा चला रहा था। प्रशांत ने उसे कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने रफ्तार कम नहीं की। ओल्ड कैंपियन स्कूल बस स्टाप के पास अचानक अनियंत्रित हुआ रिक्शा पलट गया, जिससे प्रशांत और उनकी पत्नी रिक्शे के नीचे दबकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें बाहर निकाला और इलाज के लिए पास के निजी

अस्पताल पहुंचाया। दंपति ने प्रारंभिक उपचार कराने के बाद हबीबगंज थाने जाकर आरोपी रिक्शा चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया। डंपर की टक्कर शिक्षिका की कार क्षतिग्रस्त रातीबड़ इलाके में एक तेज रफ्तार डंपर ने शिक्षिका की कार को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार नेहरू नगर में रहने वाली अर्चना सिंह नीलबड़ स्थित निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे वह अपनी कार से स्कूल से घर लौट रही थी। भदभदा ब्रिज के पास एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने ड्राइवर साईड से उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे कार के कांच फूट गए और दोनों गेट बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए।

कुख्यात बदमाश फहीम बम के घर से बरामद हुआ 6 किलो प्रतिबंधित मांस

भोपाल। तलैया थाना क्षेत्र स्थित आलोक प्रेस के पास गुरुवार सुबह पुलिस ने दबिश देकर कुख्यात बदमाश फहीम बम के घर से छह किलो प्रतिबंधित मांस बरामद किया है। पुलिस ने मौके से फहीम के बेटे को गिरफ्तार किया है जबकि फहीम मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। बरामद मांस को जांच के लिए वन विभाग को सौंपा गया है। शुरुआती जांच में बरामद मांस नीलगाय का होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस का कहना है कि बदमाश फहीम पर पूर्व में कई अपराध दर्ज हैं। वह इलाके का निगरानी बदमाश है। थाना प्रभारी दीपक डेहरिया के मुताबिक गुरुवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली थी कि बदमाश फहीम बम के घर में प्रतिबंधित मांस रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए टीम के साथ दबिश दी। पुलिस ने बेटे को हिरासत में लिया, फहीम फरार, तलाशी के दौरान घर में रखा करीब छह किलो मांस बरामद हुआ। पूछताछ में फहीम के बेटे हुजेफा ने पुलिस को बताया कि मांस उसके पिता फहीम बम लेकर आए थे। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भी तलैया थाने पहुंच गई थी। वन विभाग मामले की जांच कर रहा है कि आरोपियों ने मांस किसी से खरीदा था या फिर खुद शिकार करके लाए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने बरामद मांस को वन विभाग को सौंप दिया है। वन विभाग ने मांस की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी फहीम बम की गिरफ्तारी के लिए तलैया पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित ग्वाल मोहल्ला रोशनपुरा में गुरुवार दोपहर एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज शव पीएम के बाद परिजन को सौंपा गया। पुलिस के अनुसार सुरभि सोंधिया पिता स्वर्गीय विनोद सोंधिया (19) ग्वाल मोहल्ला रोशनपुरा में रहती थी। उसके पिता की मौत हो चुकी है। मां घरों में काम कर अपना और सुरभि का भरण पोषण कर रही थी। सुरभि गुरुवार सुबह से काम पर निकल गई?थी। वहां से शाम करीब साढ़े 5 बजे के आसपास वह घर लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास करने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो मां ने पड़ोसियों को जानकारी दी। पड़ोसियों ने झुग्गी की छत पर डली चादर सीट हटाकर देखा तो अंदर सुरभि बल्ली पर दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी नजर आई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चाचा ने पेट्रोल चोरी की शिकायत की तो भतीजे ने मारी छुरी

दोस्तो संग दुकान पहुंचकर किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर में भतीजे द्वारा चाचा पर छुरी से हमला करने का मामला सामने आया है। दरअसल, चाचा ने भतीजे की घर में पेट्रोल चोरी करने की शिकायत कर दी। शिकायत के बाद गुस्से में आया भतीजा अपने दोस्तों के साथ पहुंचा और छुरी से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मनोज कनर्जी

पिता स्वर्गीय प्रभु दयाल कनर्जी (42) संजय नगर, गोकुलदास चौराहा, शाहजहांनाबाद में रहते हैं और किराने की दुकान का संचालन करते हैं। सुबह 6 बजे वह दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान के सामने पेट्रोल की भरी बोतल रखी नजर आई। बोतल उठाकर उन्होंने फेंक दी। उन्होंने बताया कि कि उनका भतीजा प्रशांत लोहिया आए दिन पेट्रोल चोरी करता है। उन्हें संदेह था कि प्रशांत ने ही पेट्रोल चोरी कर बोतल दुकान के सामने रखी है। वे उसे समझाने उसके घर पहुंचे। वहां प्रशांत और उसकी मां केसर बाई मिले। मैने प्रशांत को समझाया कि चोरी नहीं किया करो। इसके बाद वह दुकान लौट आए। सुबह करीब पौने दस बजे बजे प्रशांत अपने दोस्त ललित वाघमारे, दीप गौर दुकान पहुंचा। उसके पास छुरी थी। वह कहने लगा कि तुने मेरी शिकायत मेरे घर पर क्यों की। इसके बाद उसने छुरी से हमला कर दिया। छुरी पीठ व हाथ में लगी है। घटना के समय प्रशांत के दोस्त ललित बागमारे व दीप गौर दूर खड़े होकर देख रहे थे।

मेट्रो एंकर

कोर्ट से ऑनलाइन भेजे जाएंगे संबंधित थानों में समंस, वारंट

ऑपरेटर व कोर्ट मुंशी को सीआईएस, सीसीटीएनएस प्रशिक्षण

आनलाइन प्राप्त समंस, वारंट को पुलिस ई-रक्षक ऐप के माध्यम से डिजिटली तामील करा सकेंगे

भोपाल,दोपहर मेट्रो

जिला न्यायालय और नगरीय पुलिस भोपाल के समन्वय से नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त

थानों एवं रक्षित केंद्र से भोपाल के न्यायालयों में पदस्थ कोर्ट मुंशी, ऑपरेटर, समंस वारंट मुंशी तथा न्यायालय में पदस्थ आरक्षकों को उनके काम में निपुण और दक्ष बनाने के लिए जिला न्यायालय भोपाल में सीआईएस, सीसीटीएनएस, आईसीजेएस प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सत्र में प्रमुख रूप प्रशिक्षण दिया गया कि कोर्ट से जारी समंस, वारंट को सीआईएस एप्लीकेशन के माध्यम से संबंधित थानों को सीसीटीएनएस पर ऑनलाइन किस तरह से भेजना है एवं थाने से प्रिंट आउट निकालकर तामीली उपरांत थानों से ही कोर्ट के एप्लीकेशन सीआईएस पर अपलोड किए जाएंगे। साथ ही ऑनलाइन प्राप्त समन वारंट को पुलिस ई-रक्षक ऐप के माध्यम से किस तरह डिजिटली तामील करा सकेंगे। इस संबंध में प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण से सीसीटीएनएस सिस्टम पर किए जाने वाले सभी कामों में गति आ सकेगी। पेंडिंग काम, मामलों का यथाशीघ्र निराकरण किया जा सकेगा ।

प्राणघातक हमले का फरार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी गौरव सिंह दोहरे ने बताया कि अमन खान के साथ बीती सोलह जुलाई की रात को गैमन इंडिया के सामने कार में सवार कुछ लोगों ने मारपीट करते हुए चाकू से प्राणघातक हमला किया था। फरियादी और आरोपियों के बीच पुराना विवाद होना बताया गया था। इस हमले में अमन खान बांये हाथ की भुजा, बांये पैर की जांघ, सिर, बांये हाथ की ऊंगली समेत कई जगह गंभीर चोटें आई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।

आवश्यकता है

सब एडिटर / पेजमेकर

दोपहर के अखबार में काम करने के लिए पार्टटाइम सब एडिटर्स की आवश्यकता है जो पेजमेकिंग के कार्य में पारंगत हों। पारिश्रमिक योग्यता अनुसार। मनीषा मार्केट -शाहपुरा क्षेत्र के आसपास रहने वालों को प्राथमिकता।

संपर्क : 7000926381, 9826822280

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022